सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

केएल राहुल की फॉर्म भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्ध: पूर्व भारतीय बल्लेबाज -पेज: 7

लगातार तीन फ्लॉप, अब 'मालिक से हैं उम्मीदें बच पाएगा मानुषी का करियर.. -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 97 | बुधवार 16 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

'धरती पर आपका स्वागत है, शुभांशु की वापसी पर पीएम मोदी का आया रिएक्शन; रक्षा मंत्री ने भी शेयर की पोस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी): आज पूरी दुनिया की नजरें कैलिफोर्निया के समुद्र में तैरते हुए ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट पर टिकी थीं। 18 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद शुभांशु शुक्ला समेत चारों अंतरिक्ष यात्री धरती पर सुरक्षित लैंड कर चुके हैं। शुभांशु की वापसी पर पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई लोगों ने शुभांशु को वापसी की बधाई दी है। शुभांशु शुक्ला स्वयंसिद्ध -04 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में गए थे। आज दोपहर 3 बजे ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट सभी अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित धरती पर वापस ले आया है। 18 दिन में शुभांशु ने आईएसएस में 7 एक्सपेरिमेंट किए हैं। वहीं, शुभांशु अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे और ISS में जाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। पीएम मोदी ने किया स्वागत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए शुभांशु का स्वागत किया है। पीएम मोदी ने लिखा,"अंतरिक्ष में अपने ऐतिहासिक मिशन के बाद शुभांशु ने धरती पर वापसी की है। सभी देशवासियों के साथ मैं भी शुभांशु के स्वागत में शामिल हूं। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री बने शुभांशु अपने लगन और साहस से करोड़ों लोगों के सपनों को मजबूत किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर साबित हो सकता है।"

कैलिफोर्निया के समुद्र में ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट द्वारा शुभांशु शुक्ला समेत चार अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी हुई। शुभांशु स्वयंसिद्ध-04 मिशन के तहत आईएसएस गए थे

सभी भारतीयों को शुभांशु पर गर्व: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी शुभांशु की वापसी पर पोस्ट शेयर किया है। राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, "स्वयंसिद्ध -4 मिशन के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक वापसी पर सभी भारतीयों को गर्व है। उन्होंने सिर्फ अंतरिक्ष को नहीं छुआ है बल्कि वो भारत की आकांक्षाओं को भी नई ऊंचाईयों पर लेकर गए हैं। आईएसएस में जाकर वापस आना सिर्फ उनके लिए मील का पत्थर नहीं है बल्कि यह पूरे देश के लिए गर्व की बात है। भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।"

बेटे से मिलने को बेताब हैं पिता

बेटे की वापसी पर शुभांशु के पिता की भी खुशी का ठिकाना नहीं है। शुभांशु के पिता शंभू दयाल शुक्ला का कहना है कि अब हम जल्द से जल्द बेटे से मिलना चाहते हैं।

केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह ने दी बधाई

केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह ने भी शुभांशु की वापसी पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, "शुभांशु ने अंतरिक्ष में जो भी एक्सपेरिमेंट किए हैं, उनसे पूरी दुनिया को फायदा होगा। भारत ने अपनी क्षमता साबित कर दी है।"

बिहार में हुआ महात्मा गांधी के परपोते का अपमान! तेजस्वी यादव बोले- हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं

बिहार : एक नए राजनीतिक भूचाल में, महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी को कथित तौर पर अपमानित किया गया और बिहार में अपनी पदयात्रा के दौरान पूर्वी चंपारण के तुरकौलिया में एक कार्यक्रम से बाहर जाने को कहा गया। यह घटना तुरकौलिया में ऐतिहासिक नीम के पेड़ के पास आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान हुई, जो महात्मा गांधी की विरासत से जुड़ा है। तुषार गांधी, जिन्होंने 12 जुलाई को पश्चिमी चंपारण के भितिहरवा गांधी आश्रम से "बदलाव यात्रा" की शुरूआत की थी, अपनी यात्रा के तहत तुरकौलिया पहुँचे थे। स्थानीय मुखिया विनय कुमार साह ने उन्हें उस स्थल पर आने और पंचायत भवन में एक संगोष्ठी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। हालाँकि, कार्यक्रम के दौरान उस समय तनाव बढ़ गया जब गांधी के एक सहयोगी ने कथित तौर पर महागठबंधन के समर्थन में राजनीतिक टिप्पणी की, जिससे मुखिया नाराज हो गए। जवाब में, विनय साह ने कथित तौर

पर तुषार गांधी पर मंच का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और महात्मा गांधी से अपने संबंध से इनकार करते हुए अंततः उन्हें कार्यक्रम स्थल से चले जाने को कहा। गांधी और मुखिया के बीच तीखी बहस हुई। तुषार गांधी ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए आगे के टकराव से बचने के लिए कार्यक्रम छोड़ दिया। समर्थकों और स्थानीय गांधीवादियों ने भी मुखिया के व्यवहार के विरोध में कार्यक्रम से बहिर्गमन किया। बाद में बोलते हुए, तुषार गांधी ने घटना की निंदा करते हुए कहा, "चंपारण में लोकतंत्र की हत्या हुई है।" उन्होंने मुखिया को महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे का वंशज भी बताया।

पूरी तरह से सर्कस चला रहे हैं...शी जिनपिंग से मुलाकात को लेकर राहुल गांधी ने जयशंकर पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी): लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भारत-चीन संबंधों के बारे में "जानकारी" देने के लिए निशाना साधा और कहा कि वह देश की विदेश नीति को नष्ट करने के उद्देश्य से एक पूरी तरह से सर्कस चला रहे हैं। विपक्ष के नेता की यह टिप्पणी जयशंकर द्वारा मंगलवार को शी जिनपिंग से मुलाकात और उन्हें द्विपक्षीय संबंधों के हालिया विकास से अवगत कराने के बाद आई है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि मुझे लगता है कि चीनी विदेश मंत्री आएंगे और मोदी को चीन-भारत संबंधों में हालिया घटनाक्रमों से अवगत कराएंगे। विदेश मंत्री अब भारत की विदेश नीति को बर्बाद करने के उद्देश्य

से एक पूरी तरह से सर्कस चला रहे हैं। बीजिंग में शी जिनपिंग के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, जयशंकर ने चीन के राष्ट्रपति को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएँ भी दीं। पर एक पोस्ट में, जयशंकर ने कहा कि आज सुबह बीजिंग में अपने साथी एससीओ विदेश मंत्रियों के साथ राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएँ दीं। राष्ट्रपति शी को हमारे द्विपक्षीय संबंधों के हालिया विकास से अवगत कराया। हमारे नेतृत्व के मार्गदर्शन को महत्व देते हैं। जयशंकर शंघाई

राहुल ने एक्स पर लिखा कि मुझे लगता है कि चीनी विदेश मंत्री आएंगे और मोदी को चीन-भारत संबंधों में हालिया घटनाक्रमों से अवगत कराएंगे।

सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन की आधिकारिक यात्रा पर हैं। सोमवार को, जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ बैठक की और द्विपक्षीय संबंधों के प्रति दूरदर्शी दृष्टिकोण और एक स्थिर एवं रचनात्मक संबंध बनाने की आवश्यकता पर चर्चा की

अंतरिक्ष में लहराया भारत का परचम, शुभांशु शुक्ला की धरती पर हुई सेफ लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी): आईएसएस पर पहली बार भारत का परचम लहराकर 140 करोड़ से अधिक भारतीयों का स्वाभिमान सातवें आसमान पर पहुंचाने वाले गगनयात्री शुभांशु शुक्ला ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा के बाद वापस लौट आए हैं। ये भारत के नागरिकों के लिए एक भावुक करने वाला पल है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिनों तक रहने के बाद शुभांशु एक्सिओम-4 मिशन के अपने तीन सहयोगी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ आज दोपहर 3:01 बजे प्रशांत महासागर में कैलिफोर्निया तट पर उतरे। आईएसएस से धरती के बीच वापसी में शुभांशु और उनके सहयोगियों को कुल 22 घंटों का वक्त लगा। स्पेसएक्स का क्रू ड्रैगन अंतरिक्षयान

सोमवार को आईएसएस से अलग हुआ। अनडॉकिंग (आईएसएस से अंतरिक्षयान से अलग होने) की प्रक्रिया भारतीय समयानुसार सोमवार को शाम लगभग 4:45 बजे हुई। इसके ठीक 22 घंटे बाद ये सभी अंतरिक्ष यात्री 15 जुलाई दोपहर 3 बजे धरती पर पहुंचे। कैलिफोर्निया के तट पर ड्रैगन स्प्लैशडाउन हुआ, इसके बाद सभी अंतरिक्ष यात्रियों को कैप्सूल से बाहर निकाला गया। एक्सिओम-4 मिशन के लिए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और उनके तीन सहयोगियों ने आईएसएस पर कुल 18 दिनों का वक्त बिताया। इससे पहले शुभांशु की वापसी 11 जुलाई को होनी थी, हालंकि, किसी कारणवश इसको 3 दिनों के लिए आगे बढ़ा दिया गया। ड्रैगन कैप्सूल के समुद्र में आने के बाद आवश्यक कार्रवाई को पूरा किया गया, इसके बाद रिकवरी टीम के सदस्य ड्रैगन कैप्सूल के अंदर गए। इसके कुछ पल के बाद सभी अंतरिक्ष यात्रियों को कैप्सूल से बाहर निकाला गया। बाहर निकले के दौरान शुभांशु के चेहरे पर खुशी झलक रही थी। जानकारी दें कि एक्सिओम-4 मिशन के तहत शुभांशु और तीन अन्य अंतरिक्षयात्री- मिशन कमांडर अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोस्ज उजनांस्की-विस्नीवस्की, हंगरी के टिबोर कापू 26 जून को आइएसएस पर पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार, इन अंतरिक्षयात्रियों ने आईएसएस से जुड़ने के बाद से लगभग 76 लाख मील की दूरी तय करते हुए

किसी न किसी को तो ज़िम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए, पहलगाम आतंकी हमले पर बोले उमर अब्दुल्ला

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी): जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के लिए किसी न किसी को तो ज़िम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। यह हमला धार्मिक भेदभाव के आधार पर किया गया था। मुख्यमंत्री उमर ने इस घातक हमले की जवाबदेही तय करने की माँग करते हुए पत्रकारों से कहा कि इस विफलता के लिए कौन ज़िम्मेदार है? अगर यह खुफि या तंत्र की विफलता है, तो इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह मुमकिन नहीं है कि 26 लोगों की जान चली जाए और हमारी तरफ से कोई प्रतिक्रिया न आए। अब जब हम जानते हैं कि सुरक्षा और खुफि या तंत्र में कोई चूक हुई है, तो किसी न किसी को तो ज़िम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए। 22 अप्रैल को, दक्षिण

कश्मीर के मनोरम शहर पहलगाम में आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह पर हमला किया। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओजेके) में आतंकी ढाँचों पर हमला किया। भारत ने इसके बाद पाकिस्तानी सैन्य आक्रमण को नाकाम कर दिया और उसके हवाई ठिकानों पर बमबारी की। पाकिस्तान के डीजीएमओ द्वारा अपने भारतीय समकक्ष को दिए गए एक फोन कॉल के बाद भारत और पाकिस्तान युद्ध विराम पर सहमत हुए। टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक साक्षात्कार में, एलजी मनोज सिन्हा ने कहा था कि यह हमला निस्संदेह सुरक्षा चूक का नतीजा था और उन्होंने इसकी ज़िम्मेदारी ली। उन्होंने पहलगाम की घटना को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमला बताया, जिसका उद्देश्य भारत में सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना था।

असमिया लोगों को खत्म करने का जिहाद, असम में जनसांख्यिकीय बदलाव पर बोले हिमंत बिस्वा सरमा

असम (एजेंसी): असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को राज्य में जनसांख्यिकीय बदलाव के अपने दावों को और पुख्ता करते हुए कहा कि स्थानीय समुदाय दबाव में हैं। उन्होंने इसे एक धर्म के लोगों द्वारा रणनीतिक अतिक्रमण बताया। गुवाहाटी में मीडिया को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ये प्रवासी राजनीतिक प्रभाव हासिल करने के इरादे से विभिन्न क्षेत्रों की जनसांख्यिकीय रूपरेखा को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। हिमंत के अनुसार, राज्य सरकार ने मई 2021 से अब तक कई बेदखली अभियानों के जरिए 1.19 लाख बीघा से ज्यादा अतिक्रमित जमीन को खाली कराया है। हालाँकि उन्होंने सीधे तौर पर उस समुदाय का नाम नहीं बताया जिसकी ओर वे इशारा कर रहे थे, लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि बेदखल किए गए लोगों में से कई बंगाली भाषी मुसलमान हैं। एक प्रेस वार्ता में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वन और सरकारी जमीन से बेदखल किए गए ज्यादातर लोगों के

पास पहले से ही अपने मूल ज़िलों में जमीन है, लेकिन वे किसी कथित मकसद से असम के दूर-दराज के इलाकों में जा बसते हैं। उन्होंने कहा कि वन विनाश इन मुद्दों में से एक है। ये लोग उस जगह की जनसांख्यिकी बदलने के लिए पलायन करते हैं। उन्होंने आगे बताया कि प्रवासी बाद में अपने नए ठिकानों पर मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराते हैं। उन्होंने दावा किया, "और जब उनकी संख्या हजारों में हो जाती है, तो वे एक बड़ा वोट बैंक बन जाते हैं, और राजनीतिक नेता जंगल या सरकारी जमीन पर उनके शुरूआती अतिक्रमण के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते।" उन्होंने समुदाय का नाम लिए बिना कहा, "ये सभी

गुवाहाटी में मीडिया को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ये प्रवासी राजनीतिक प्रभाव हासिल करने के इरादे से विभिन्न क्षेत्रों की जनसांख्यिकीय रूपरेखा को बदलने का प्रयास कर रहे हैं।

लोग एक ही धर्म के हैं।" असम के मुख्यमंत्री ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, "यह सिर्फ. जमीन जिहाद नहीं है, बल्कि असमिया लोगों को खत्म करने का जिहाद है... निचले और मध्य असम में जनसांख्यिकीय अतिक्रमण के बाद, अब यह ऊपरी असम में हो रहा है।" हिमंत ने आरोप लगाया कि अतिक्रमण की इस लहर को कांग्रेस पार्टी का राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा कि कुछ इलाकों में पार्टी के वोट शेयर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसे उन्होंने जनसांख्यिकीय बदलावों से जोड़ा।

अगले 5 साल में युवाओं को मिलेगी 1 करोड़ नौकरियां और रोजगार, नीतीश कैबिनेट ने लगाई मुहर

बिहार (एजेंसी): बिहार मंत्रिमंडल ने अगले पांच वर्षों में 'एक करोड़ नौकरियों और रोजगार के अवसरों' के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में श्रम विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई और इस संबंध में संभावनाएं तलाशने और निर्णय लेने के लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया। इस उद्देश्य के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का किया जा रहा गठन मुख्यमंत्री ने रविवार को घोषणा की थी कि "अगले पांच वर्षों (2025 से 2030) के लिए, हम एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार के अवसर प्रदान करके 2020-25 के लक्ष्य को दोगुना करने का लक्ष्य रख रहे हैं। इसे प्राप्त करने के लिए, निजी क्षेत्र में विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्रों में नयी नौकरी और रोजगार के अवसर भी पैदा किए जाएंगे। इस उद्देश्य के लिए, एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है।" मंत्रिमंडल की बैठक के तुरंत बाद, अतिरिक्त मुख्य सचिव (कैबिनेट सचिवालय) एस सिद्धार्थ ने संवाददाताओं को बताया, "राज्य मंत्रिमंडल ने मंगलवार को श्रम विभाग के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी,

जिसके तहत अगले पांच वर्षों (2025-2030) में राज्य के युवाओं को एक करोड़ नौकरियां और रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। सरकार ने इसके लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय समिति गठित करने का भी निर्णय लिया है।" मंत्रिमंडल ने विभिन्न विभागों के 30 प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने रविवार को एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राज्य में अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और लगभग 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है तथा 50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी/रोजगार देने के लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त कर लिया जाएगा।" मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय' कार्यक्रम के तहत राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में युवाओं के कौशल विकास के लिए सात निश्चय' के तहत जारी कार्यक्रम को विस्तारित किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने मेट्रो रेल के प्राथमिकता वाले कॉरिडोर के रखरखाव के लिए 179 करोड़ रुपये से अधिक की राशि को भी मंजूरी दी, जो पटना में 15 अगस्त, 2025 से चालू हो जाएगा। तीन डिब्बों वाली यह ट्रेन मलाही पकड़ी और न्यू आईएसबीटी के बीच 6.49 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड सेक्शन पर चलेगी। यह एक प्राथमिकता वाला कॉरिडोर है जिसे शहर के सबसे व्यस्त यातायात क्षेत्रों में से एक की सेवा के लिए डिजाइन किया गया है।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़ा फैसला लेते हुए, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने अगले पांच वर्षों में राज्य के युवाओं को एक करोड़ नौकरियां और रोजगार के अवसर प्रदान करने...

संपादकीय

नीयत पर संदेह

चुनाव आयोग ने पूरे देश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करने के लिए सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। कुछ विपक्षी दलों व अन्य लोगों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। हालांकि जुलाई के अंत तक निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रव्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम फैसला लेने की भी चर्चा है। अधिकांश राज्यों में 2002 से 2004 के दौरान मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया गया था। आयोग की बेवसाइट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में उपलब्ध सूची 2008 की है, जबकि उत्तराखंड में आखरी गहन पुनरीक्षण 2006 में होने की सूचना है। अवैध विदेशी प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने के विवाद के बाद बिहार में यह बहस गरम हुई। इसी वर्ष बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में भी अगले वर्ष होंगे। बूथ स्तर के कर्मचारियों का आरोप है कि घर-घर जाकर की गई जांच में बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश व म्यामांर के अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में मिले। इस सारी कवायद पर संदेह व्यक्त करने वालों के अनुसार चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज लोगों के पास उपलब्ध नहीं हैं। साठ फीसद से भी कम नागरिकों के पास पक्का मकान है, केवल 14% वयस्क दसवीं तक पढ़े हैं। सवाल है, बड़ी संख्या में बिहारी मजदूर रोजगार के सिलसिले में अन्य राज्यों में जा चुके हैं, उनका नाम इस सूची में शामिल करने का जिम्मा कौन लेगा। हाशिए पर खड़े लोग, दलितों, वंचितों व गरीबी रेखा के नीचे गुजार करने वालों से दस्तावेजों की सूची मांगना गैरवाजिब है। उस पर भी जिनके नाम पहले ही मतदाता सूची में मौजूद हैं और वे तीन-चार बार अपना मत प्रयोग कर चुके हैं। हैरत है कि इतने व्यापक स्तर पर बनाए गए आधार कार्ड पर सरकार और उसका समूचा तंत्र विश्वास क्यों नहीं कर पाता। सबके लिए एक सामूहिक व्यवस्था क्यों नहीं दी जाती। देश के हर नागरिक के लिए एकमात्र परिचय पत्र की व्यवस्था हो, जिसके मार्फत समूची जनसंख्या का सटीक अंदाजा भी हो और वही नागकिता की पहचान बने। उसी को मतदानपत्र, लाइसेंस, पैन, बैंक अकाउंट आदि से जोड़ा जाए। आम नागरिक को तनाव देना व सरकारी महकमों के चक्कर काटने के लिए मजबूर करना या हर कुछ दिनों बाद दस्तावेजों की गड्डियां मुहैया कराना कब तक चलता रहेगा। निःसंदेह सरकार की नीयत पर शक की गुंजाइशें कम नहीं हो रहीं।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए।
अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।
महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है।
वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

छांगुर बाबा के साम्राज्य का अंत लेकिन कितने बाकी

अकसर हिन्दू संगठन लव जिहाद का मुद्दा उठाते रहते हैं लेकिन सभी उनका मजाक उड़ाते हैं कि ये उनकी साम्प्रदायिक सोच है, ऐसा कुछ नहीं है। विडम्बना यह है कि बार-बार लव जिहाद के मामले सामने आते रहते हैं लेकिन उनकी अनदेखी कर दी जाती है। लव जैहाद कुछ और नहीं है बल्कि हिन्दू लड़कियों का धर्म परिवर्तन करवाने का एक तरीका है। यह भी बार-बार सुनने में आता है कि लव जैहाद के लिए मुस्लिम लड़को को पैसा दिया जाता है ताकि वो हिन्दू लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करें और इसके बाद उन्हें इस्लाम कबूल करवायें। यूपी के बलरामपुर के उतरौला के छांगुर बाबा के मामले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि इस देश में सुनियोजित तरीके से धर्म परिवर्तन का धंधा चल रहा है। मुस्लिम देशों से इसके लिए बेइंतहा पैसा आ रहा है इसलिए इस धंधे के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। मुस्लिम लड़कों के लिए ये दोगुने फायदे का काम है। एक तो उन्हें इस काम के लिए मोटी रकम मिलती है तो दूसरी तरफ उन्हें इस काम से धर्म की सेवा का मौका भी मिलता है। मौलाना उन्हें इस काम के बदले जन्नत का लालच देते हैं। उतरौला में पैदा होने वाला छांगुर बाबा कभी भीख मांग कर गुजारा करता था और इसके बाद उसने नकली अंगूठी बेचने का धंधा शुरू किया लेकिन जब उसने धर्म परिवर्तन का धंधा शुरू किया तो वो सैकड़ों करोड़ का स्वामी बन गया। आसपास के इलाकों में उसका इतना दबदबा हो गया कि उसके खिलाफ मुंह खोलना किसी के लिए संभव नहीं था। वास्तव में उसने अपने इलाके में पुलिस-प्रशासन और अदालत में इतनी पकड़ बना रखी थी कि उसके खिलाफ आवाज उठाने वाले के ऊपर फर्जी मुकदमें ठोक दिये जाते थे। हैरानी की बात है कि कई एकड़ की सरकारी भूमि पर उसने कब्जा करके बड़ी इमारत बनाकर अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया था लेकिन वहां का प्रशासन आँखे बंद करके बैठा रहा।

सवाल यह है कि पिछले 15-16 सालों से बलरामपुर में गैरकानूनी धंधे कर रहे छांगुर बाबा पर पुलिस और प्रशासन इतने मेहरबान क्यों थे। मैं सरकारी सेवा में 27 साल रहा हूं, अच्छी तरह जानता हूं कि अफसर सब कुछ देखकर अनदेखा क्यों करते हैं। इस सच को भी जानता हूं कि इस अनदेखी के लिए पैसा ऊपर से नीचे तक जाता है। मतलब साफ है कि स्थानीय प्रशासन में बैठे लोगों को सब कुछ पता था लेकिन उन्हें अनजान बने रहने के लिए छांगुर बाबा नियमित रूप से मोटा पैसा दे रहा होगा। मुख्यमंत्री योगी कितने भी सख्त प्रशासक हों लेकिन अभी भी पुराना इको सिस्टम काम कर रहा है। सच यह भी है कि अगर योगी मुख्यमंत्री नहीं होते तो यह बाबा कभी पकड़ में नहीं आता। ये योगी ही हैं जिनके कारण प्रशासन उसके खिलाफ कार्यवाही करने को मजबूर हुआ अन्यथा ये मामला दबा दिया जाता। आज ईडी भी उसके खिलाफ जांच कर रही है लेकिन सवाल यह है कि लगभग 300 करोड़ की फंडिंग जुटा लेने वाले बाबा पर किसी की नजर पहले क्यों नहीं पड़ी। मुझे ऐसा लगता है कि छांगुर पर कार्यवाही के साथ-साथ उन अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जानी चाहिए जो उसकी मदद कर रहे थे। मेरा तो मानना है कि बाबा के खिलाफ कार्यवाही से पहले इनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए क्योंकि उनके लालच ने ही ऐसा बाबा पैदा किया था। सरकार से वेतन लेने वाले ये लोग देश के खिलाफ जाकर बाबा का काम कर रहे थे। घर का एक छज्जा इन्हें दिखाई दे जाता है लेकिन 70 कमरों वाला महल इन्हें दिखाई नहीं दिया। बैंक खातों में इतने बड़े लेनदेन के बावजूद आरबीआई को इसकी सूचना क्यों नहीं दी गई। उसने अपनी इमारत की दीवार बहुत ऊंची बनाई हुई थी और उन पर बिजली वाली कंटीली तारें लगाई हुई थी। किसी ने यह नहीं सोचा कि इतनी सुरक्षा क्यों की जा रही है और क्या छिपाया जा रहा है। पुलिस को कभी इस इमारत में आने-जाने वालों पर कोई शक नहीं हुआ और उसे किसी खबरी ने कभी नहीं बताया कि वहां क्या चल रहा है। लोकल पुलिस से उसके कारनामे कैसे छुपे रह गए।

छांगुर बाबा ने गरीब एवं विधवा हिन्दू लड़कियों और प्रेमजाल में फंसाकर लाई गई गैर-मुस्लिम लड़कियों के धर्मपरिवर्तन और यौन शोषण की पूरी व्यवस्था तैयार की हुई थी। इसके लिए उसने कोडवर्ड बनाए हुए थे, मतांतरण को मिट्टी पलटना कहा जाता था। लड़कियों को प्रोजेक्ट कहा जाता था और उन्हें मानसिक रूप से प्रभावित करने को काजल करना कहा जाता था, दर्शन करना मतलब बाबा से मिलवाना था। बाबा आर्थिक रूप से कमजोर, विधवा और गैर-इस्लामी लड़कियों को बहला-फुसलाकर कर मतांतरण के लिए इस्तेमाल करता था। उसने मतांतरण के लिए जाति-धर्म के अनुसार एक निश्चित रकम तय की हुई थी। इसका नेटवर्क सिर्फ बलरामपुर तक नहीं था बल्कि यूपी के कई इलाकों में फैला हुआ था। यूपी से बाहर भी उसने अपना धंधा फैलाया हुआ था। शिक्षा की आड़ में उसने विदेशी फंडिंग की मदद से बड़ी संख्या में मदरसों का निर्माण किया हुआ था। वो सस्ती और सरकारी जमीनों पर मदरसों को निर्माण करवाता था और फिर उसके नाम पर विदेशी फंडिंग हासिल करता था। कितनी अजीब बात है कि गाजा में मुस्लिम बच्चे भूखे मर रहे हैं लेकिन मुस्लिम देश उनकी मदद को आगे नहीं आ रहे हैं लेकिन धर्म परिवर्तन के लिए ये देश पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं। ये मुस्लिम देश गरीब मुस्लिमों की मदद करने की जगह गैर-मुस्लिमों को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए खुले दिल से पैसा बांट रहे हैं। गरीब अफ्रीकी देशों में मुस्लिम समाज के लोग भूखे मर रहे हैं और उनकी मदद केवल यूरोपीय देशों द्वारा की जा रही है। अरबी मुस्लिम अपने सोने के महलों में अय्याशी कर रहे हैं लेकिन उनकी तरफ देखने को तैयार नहीं हैं। कितनी अजीब बात है कि जो पहले से मुस्लिम हैं, उनकी चिंता नहीं है लेकिन जो गैर-मुस्लिम हैं, उनको मुस्लिम बनाने के लिए ये लोग अरबों रुपये लुटाने के लिए तैयार हैं। ये सोचना गलत होगा कि इन लोगों के पास केवल एक छांगुर बाबा होगा बल्कि मेरा मानना है कि इन्होंने ऐसे बाबाओं की एक फौज तैयार कर रखी होगी। एक हिन्दू लड़की, जिसका मतांतरण के बाद आयत खान नाम रख दिया गया था, उसने बताया है कि ये लोग कहते थे कि 2047 में भारत को इस्लामिक मुल्क बना देंगे। उसे बताया गया कि तुम मुस्लिम बन गई हो, अब तुम्हें भी जन्नत मिल जाएगी। अभी इस मामले की बहुत पर्तें खुलनी है, लगता है कि ये मामला बहुत बड़ा है। छांगुर बाबा के कई माफिया गिरोह के साथ मिलीभगत सामने आ रही है। वैसे भी इतनी बड़ी मात्रा में सरकारी जमीनों पर कब्जा बिना माफिया की मदद के संभव नहीं लगता। हिन्दू समाज को इस मामले पर नजर रखनी होगी क्योंकि उसे धर्मनिरपेक्षता की भांग पिलाकर मूर्ख बनाया जा रहा है। कई मुस्लिम संगठन भारत को सुनियोजित तरीके से इस्लामिक देश बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं। छांगुर बाबा अकेला नहीं हो सकता और न जाने कितने छांगुर बाबा हमारे देश में छुप कर इस काम में लगे हुए होंगे। केन्द्र सरकार को विपक्ष शासित राज्यों पर विशेष नजर रखने की जरूरत है क्योंकि मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण विपक्षी दलों की सरकारें ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही कभी नहीं करेंगी। हमें समझना होगा कि लव जिहाद हमारे देश की सच्चाई है, इसे अनदेखा करना घातक साबित होगा।

-राजेश कुमार पासी

हिमालय पर विकास के नाम पर हो रहा छेड़छाड़ पड़ेगा भारी

सुरेश भाई

हिमालय में बाढ़ और भूस्खलन के चलते पर्यटकों और यात्रियों को बार-बार रोकना पड़ रहा है। गांव में रहने वाले लोग भारी बारिश के चलते रातभर सो नहीं पाते हैं।
ऐसी भी सैकड़ों बस्तियां हैं जिनके आसपास विकास के नाम पर चारागाह, जंगल, खेती, पुराने रास्ते, नहरें क्षतिग्रस्त हुए हैं और वहां से लोग भूस्खलन की डर से सुरक्षित स्थान की तरफ भाग जाते हैं। इस विषम परिस्थिति में गर्भवती महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक तकलीफ में हैं।
पुराने समय में हिमालय के पर्वतीय अंचल में जब बरसात प्रारंभ होती थी तो लोग अपने मवेशियों को लेकर जंगल में घास के बीच में छानियां बनाकर निवास करते थे। जहां से वे दूध, घी, मक्खन बनाकर बेचते थे और उसके बदले उन्हें साल भर की राशन खरीदना होता था। तब उनके चारों ओर आज की जैसी आपदा की स्थिति नहीं थी और बारिश में लोगों को अपनी खेती-बाड़ी में बारहनाजा (एक ही खेत में 12 प्रकार की फसल) की फसलें तैयार होती दिखाई देती थी। हिमालय के नीचे मैदानी क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी बरसाती मौसम में नदियों में बहकर जाने वाली उपजाऊ मिट्टी, पानी को अच्छी फसल के संकेत मानते थे।
अब वह पुराना समय चला गया है। गत वर्ष 2023-24 में जिस तरह की बाढ़ मध्य हिमालय से लेकर हिमाचल, जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में 500 से अधिक लोग मारे गए थे।
उसकी पुनरावृत्ति सन 2025 की शुरू आती बरसात में ही दिख रही है। बरसात के मौसम का प्रभाव उत्तराखंड और हिमाचल पर सबसे अधिक है। केदारनाथ जाने वाले रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिछले वर्षो से सड़क चौड़ीकरण के बाद दर्जनों डेंजर जोन बने हुए हैं। जहां पर इस बार भी सोनप्रयाग के पास पहाड़ खिसकने से लगभग 1300 यात्रियों को रेस्क्यू करना पड़ा।
जून के अंत में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलाई बैंड के पास निर्माण कार्य में लगे 18 मजदूरों में से 9 मजदूर बहकर लापता हो गये थे। यहां पर बहुत लंबे समय से औजरी, डाबरकोट, कुथनौर, पालीगाड़, सिलाई बैंड, किसाला आदि स्थान भू-धंसाव के लिए संवेदनशील बने हुए हैं। 2023-24 की बरसात में भी यहां पर लगातार निर्माण का मलबा सड़क पर बहकर आया था। इसके बावजूद भी करोड़ों खर्च करने के बाद इस मार्ग को चौड़ीकरण करने से पहले भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र को बचाने के लिए जो वैज्ञानिक उपाय होने चाहिए थे उस पर ध्यान नहीं गया है, जिसके कारण लंबे समय से हर बरसात में यह स्थान यमुना नदी की तरफ टूट कर बह जाता है।
यमुनोत्री आने-जाने वाले तीर्थयात्री बड़ी मुश्किल से इस भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं। जानकी चट्टी से यमुनोत्री तक 6 किमी के पैदल रास्ते पर भी एक दर्जन ऐसे संवेदनशील स्थान वैज्ञानिकों ने चिह्नित किए हैं जहां भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। इस बार भी यहां पर लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। अतः जरूरत है कि बहुत चौड़ी सड़क के स्थान पर जहां से भूस्खलन लगातार हो रहा है उस एरिया तक पहुंच बना करके ट्रीटमेंट करने पर ध्यान देना चाहिए। सड़क मार्ग को इस डेंजर जोन पर अधिक चौड़ा करने की कोशिश करेंगे तो आने-जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।
दूसरी ओर स्याना चट्टी के पास यमुना नदी पर झील बनने का खतरा बना हुआ है, जिस पर उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य लगातार नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी यहां भूस्खलन क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया है। गंगा की सहायक नदी अलकनंदा, भागीरथी, भिलंगना, बालगंगा उफान पर हैं, लोग भारी बारिश और बाढ़ का सामना कर रहे हैं। हिमाचल में पिछले 15 दिनों में लगभग 17 स्थानों पर बादल फटे हैं। अब तक लगभग 100 लोगों की जिंदगी चली गई है और 55 लोग लापता हैं। लगभग 80 हजार की आबादी पर भूस्खलन का खतरा मंडरा रहा है। पूर्वोत्तर राज्यों में दक्षिण-पश्चिम मानसून पहुंचते ही हाहाकार मच गया। ब्रह्मपुत्र समेत 10 नदियां उफान पर है। सिक्किम में भूस्खलन से सेना का एक शिविर दब गया जिसमें तीन जवान शहीद हो गए थे और 6 लोग लापता हैं। असम और अरु णाचल प्रदेश में भी 10-10 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। 10 हजार लोग राहत शिविरों में रखे गए हैं। असम और मणिपुर में चार लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।
प्रभावित लोग महसूस कर रहे हैं कि हिमालय की भौगोलिक संरचना को नजरअंदाज करके जिस तरह से फोरलाइन मार्गों का निर्माण, वनों का कटान,

बहुमंजिली इमारतें, हिमालय की संवेदनशील धरती के साथ विकास के नाम पर अनियोजित छेड़छाड़, बार-बार भूकंप आना, अनियंत्रित पर्यटन और पंचतारा संस्कृति ने अधिक उपभोग करने की चाह में संकट पैदा कर दिया है। निर्माण कार्य में प्रयोग होने वाले विस्फोट से मलबा नदियों में एकत्रित होकर बाढ़ के हालात पैदा कर रहा है। निर्माण कार्य में लगी जेसीबी मशीनों ने भी पहाड़ को हिला कर रख दिया है। जो हिमालय की भूगद्गभक बनावट के लिए बहुत खतरनाक है। यहां के पर्यावरण और जीवनशैली के अनुरूप विकास की नई रेखा खींचनी होगी और हिमालय पर विकास के नाम पर हो रहे मैदानों के अनुरूप जैसी छेड़छाड़ को रोका जाए।

डिजिटल-क्रांति से ही नकली नोटों पर नियंत्रण संभव

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रुपए के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पदार्पाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था।
आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध षड्यंत्र, साजिश एवं बड़े खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बाजार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद

को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं।
प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर नकली नोटों की बाढ़ एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए।
इस संकट की घड़ी में डिजिटल लेन-देन एक बड़ी राहत और समाधान बनकर उभरा है। यूपीआई, भीम मोबाइल वॉलेट्स, नेट बैंकिंग और कार्ड पेमेंट्स जैसे साधन नकली नोटों की समस्या को जड़ से समाप्त करने में सहायक हो सकते हैं। डिजिटल लेन-देन के लाभ ही लाभ है, पूर्ण पारदर्शिता यानी हर लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड होता है, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आती है। कर चोरी, हवाला, और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी काली प्रवृत्तियाँ समाप्त होती है। नकली मुद्रा की संभावनाओं पर विराम लगता है, जिससे राष्ट्र-विरोधी तत्वों के षड़यंत्र एवं साजिशें नाकाम होती है। लेन-देन सेकंडों में पूरा होता है और उनमें सरलता भी रहती है। पासवर्ड आधारित सुरक्षा व्यवस्था से लेन-देन सुरक्षित रहता है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचता है, पैसा सीधे उनके खातों में पहुँचता है, बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होता है।
प्रधानमंत्री मोदी ने हर मंच पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने की बात कही है। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर लोगों को मोबाइल बैंकिंग, क्यूआर कोड, और कार्ड से भुगतान की शिक्षा देने की मुहिम चलाई है। इसका असर यह है कि आज भारत यूपीआई ट्रांजैक्शन में दुनिया में नंबर 1 है। डिजिटल इंडिया गरीब को ताकत देता है, मिडल क्लास को सुविधा देता है और राष्ट्र को मजबूती देता है। भारत की असली शक्ति अब डिजिटल प्रचलन बन रही है, जहाँ एक बटन से करोड़ों का ट्रांजैक्शन सुरक्षित होता है। मोदी की डिजिटल क्रांति ने भारत को इक्कीसवीं सदी की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत आधार दे दिया है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस डिजिटल युद्ध में सहभागी बनें, नकली नोटों को ना कहें, डिजिटल लेन-देन को अपनाएं। यही राष्ट्रभक्ति है, यही समय की माँग है। संदिग्ध नकदी की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों को दें। नकली नोटों की पहचान करना सीखें और दूसरों को भी जागरूक करें। निश्चित ही जहाँ नकली नोट देश की आत्मा को खोखला करते हैं, वहीं डिजिटल मुद्रा राष्ट्र की नींव को मजबूत करती है।
निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ-ही-साथ डिजिटल भुगतान से जुड़े घपल्ले एवं घोटाले भी है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि नकली मुद्रा के पीछे कुछ संगठित राष्ट्रविरोधी शक्तियाँ सक्रिय हैं। पाकिस्तान स्थित आईएसआई और उसके सहयोगी संगठनों पर पहले भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वे नकली भारतीय मुद्रा भारत में भेजकर आतंकवाद और अलगाववाद को आर्थिक समर्थन देते हैं। देश की सरकार ने डिजिटल इंडिया, जनधन योजना, आधार लिंकिंग, और यूपीआई जैसी क्रांतिकारी योजनाओं के जरिए नकदी पर निर्भरता घटाने का प्रयास किया है। लेकिन यह लड़ाई अकेली सरकार नहीं जीत सकती।
नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान है। यह और भी बड़ी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

पुलिस को मिली बडी सफलता, थाना हसनपुर पुलिस व एसओजी/ सर्विलांस टीम अमरोहा द्वारा अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भण्डाफोड

शस्त्र फैक्ट्री चलाने वाले 02 अभियुक्त गिरफ्तार व 05 अन्य शस्त्र तस्कर अभियुक्त थाना गजरौला, रजबपुर व डिडौली द्वारा गिरफ्तार

01 रिवाल्वर, 11 तमंचे, भारी मात्रा में कारतूस, अधबने हथियार व उपकरण बरामद

अमरोहा (सब का सपना):- अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के नेतृत्व, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर दीप कुमार पन्त के निकट पर्यवेक्षण में अवैध शस्त्रों से सम्बन्धित अपराधियों के विरूद्ध व्यापक स्तर पर चलाये गये अभियान के अन्तर्गत थाना हसनपुर पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने की फैक्ट्री का भण्डाफोड कर शस्त्र फैक्ट्री चलाने वाले 02 अभियुक्त गिरफ्तार व 05 अन्य शस्त्र तस्कर अभियुक्त थाना गजरौला, रजबपुर व डिडौली द्वारा गिरफ्तार किये गये जिनके कब्जे से भारी मात्रा में बने/अधबने अवैध शस्त्र व शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद हुये। सोमवार रात्रि थाना हसनपुर पुलिस एवं एसओजी/सर्विलांस टीम अमरोहा द्वारा ग्राम बावनखेडी अड्डे पर बंद पडे जिम के उपर सौलर प्लेटो के नीचे अवैध शस्त्र फैक्ट्री चलाकर अवैध शस्त्रों का निर्माण कर रहे 02 अभियुक्त 1. शादाब अली पुत्र रियासत अली निवासी ग्राम माछरा भगवानपुर थाना हसनपुर जनपद अमरोहा व 2. सुमित पुत्र हेमसिंह निवासी ग्राम माछरा भगवानपुर थाना हसनपुर जनपद अमरोहा को भारी मात्रा में बने/अधबने अवैध शस्त्रों सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 1 रिवाल्वर देशी 32 बोर, 5 तमंचे 315 बोर व 1 तमंचा 12 बोर, 1 तमंचा 315 बोर अधबना, 50 अदद कारतूस जिन्दा 315 बोर बिना मार्का व अवैध शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद हुए। गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना हसनपुर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी। जिनसे पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार अभियुक्तगण शातिर अपराधी है जोकि अवैध रुप से धन अर्जित करने हेतु साथ मिलकर अवैध रूप से तमन्चे/रिवाल्वर बनाने का कार्य करते हैं। तमंचे व कारतूसों के खरीदारों के बारे मे जानकारी करने पर अभियुक्तगण द्वारा दीपक पुत्र संजीव निवासी मंझौला थाना गजरौला जनपद अमरोहा व वंश उर्फ गोलू पुत्र मेहर सिहं निवासी ग्राम सरकडा थाना बछरायूं जनपद अमरोहा को तमंचे व कारतूस, गौरव पुत्र कर्मवीर सिहं निवासी ग्राम रतनपुर कला थाना पाकबाडा जनपद मुरादाबाद, नागेन्द्र पुत्र कृपाल निवासी ग्राम सूदनपुर थाना रजबपुर जनपद अमरोहा व अंकुश पुत्र कावेन्द्र निवासी ग्राम हाफिजपुर थाना रजबपुर जनपद अमरोहा को तमंचे व कारतूस बेचना बताया गया। पूछताछ से प्रकाश में आये अवैध हथियार खरीदने वाले अभियुक्तों की गिरफ्तारी व अवैध शस्त्रों की खरीद-फरोख्त की रोकथाम हेतु चलाये गये विशेष अभियान में अमरोहा पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। थाना गजरौला, थाना डिडौली व थाना रजबपुर पुलिस अलग-अलग स्थानों पर की गई प्रभावी कार्रवाई के दौरान 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से अवैध देशी तमंचे बरामद किये गये हैं। थाना गजरौला पुलिस द्वारा 03 अभियुक्त 1. दीपक पुत्र संजीव निवासी मंझौला थाना गजरौला जनपद अमरोहा मय तमंचा 315 बोर व 02 जिंदा कारतूस 315 बोर 2. वंश उर्फ गोलू पुत्र मेहर सिहं निवासी ग्राम सरकडा थाना बछरायूं मय तमंचा 12 बोर व 05 जिंदा कारतूस 12 बोर 01 खोखा कारतूस 12 बोर व 3. नागेन्द्र पुत्र कृपाल निवासी ग्राम सूदनपुर थाना रजबपुर जनपद अमरोहा मय तमंचा 315 बोर 01 जिंदा कारतूस 315 बोर 01 खोखा कारतूस 315 बोर एवं थाना रजबपुर पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त अंकुश पुत्र कावेन्द्र निवासी ग्राम हाफिजपुर थाना रजबपुर जनपद अमरोहा तमंचा 12 बोर व 03 जिंदा कारतूस 12 बोर तथा थाना डिडौली पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गौरव पुत्र कर्मवीर सिहं निवासी ग्राम रतनपुर कला थाना पाकबाडा जनपद मुरादाबाद को मय तमंचा 315 बोर व 01 कारतूस 315 बोर सहित गिरफ्तार किया गया। खबर लिखें जाने तक गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही थी।

पुलिस ने 04 वारंटी अभियुक्त किए गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश कुमार भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक थाना मंडी धनौरा के कुशल नेतृत्व में थाना मंडी धनौरा पुलिस टीम द्वारा 04 वारंण्टी अभि0गण 01. शौकीन पुत्र नन्हे 2. इशरत पुत्र शौकीन निवासी गण ग्राम मिलक अखत्यारपुर थाना मण्डी धनौरा जनपद अमरोहा सम्बन्धित मु0अ0सं0 परिवाद व मुकदमा नं0 1397/2021 धारा 498ए आईपीसी तारीख पेशी 17/07/2025 न्यायालय सिविल जज जे0एम0 जनपद अमरोहा 3. इब्राहिम पुत्र सुलेमान शेख नि0 ग्राम शेरपुर थाना मण्डी धनौरा जनपद अमरोहा सम्बन्धित मुकदमा नं0 1983/20 अ0स0 386/2017 धारा 307 आईपीसी चालानी थाना धनौरा जनपद अमरोहा न्यायालय सी0जे0एम0 जनपद अमरोहा तारीख पेशी 25.07.2025 4. सोनू पुत्र त्रिलोक नि0 चान्द्राफार्म थाना मण्डी धनौरा जनपद अमरोहा सम्बन्धित मुकदमा नं0 522/19 अ0स0 105/15 धारा 60 आबकारी एक्ट थाना मण्डी धनौरा जनपद अमरोहा न्यायालय ग्रामीण न्यायालय धनौरा जनपद अमरोहा तारीख पेशी 27.08.25 को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जा रहा था।

नगर पालिका अध्यक्षा ने वितरण की (सेम व मेम) बच्चों को 15 पोषण किट

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद की पालिका अध्यक्षा राजेंद्री देवी द्वारा 15 सेम व मेम बच्चों को पोषण किट वितरण की गई।इस अवसर पर पालिका के कर्मचारीयों सहित पोषण किट ग्रहण करने वाली महिलाएं मौजूद रहीं। बता दें कि मंगलवार को नगर पालिका परिषद गजरौला के सभागार में पालिका अध्यक्षा राजेंद्री उर्फ उमा देवी द्वारा 15 कुपोषित व अर्द्ध कुपोषित (सेम व मेम) बच्चों के पोषण के हेतु पोषण किट वितरण की। जिसमें उन्होंने बॉर्नविटा, चना, परमल ,रामदाना, पीनट बटर, दलिया, व आदि पोषक तत्व से तैयार पोषण किट वितरण की गई।इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य, लेखाकार आदेश कुमार, लिपिक ललित कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर अक्षय शुक्ला, कंप्यूटर ऑपरेटर रविंद्र सिंह,अध्यक्षा पुत्र प्रमोद सिंह, दीपू कुमार, योगेश चौधरी, आकाश मोहल्ले की आशा/दीदी व आदि कर्मचारी उपस्थित रहे ।

शाहबाजपुर डोर में देवर भाभी को बेरहमी से पीटकर कि लहुलुहान

पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपी देवर के खिलाफ की कार्यवाही की मांग

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में देवर ने अपनी ही भाभी को मामूली बात पर बेरहमी से पीट कर लहुलोहान कर दिया। इसके बाद पीड़ित महिला ने आरोपी देवर के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। बता दें कि मंगलवार को नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव शहवाजपुर डोर में गांव निवासी महिला गीता को उसी के छोटे देवर कमल सिंह ने मामूली बात पर बेरहमी से पीट दिया और बुरी तरह से लहुलुहान कर दिया। जिसके बाद घायल गीता ने गजरौला कोतवाली पहुंची और अपने देवर कमल सिंह के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की।इस मामले पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

अग्रवाल सभा के नवागत अध्यक्ष का अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ ने किया स्वागत

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ, हसनपुर इकाई ने अग्रवाल सभा के नवनियुक्त अध्यक्ष उमेश कुमार अग्रवाल का उनके आवास पर गर्मजोशी से स्वागत किया। संगठन के हसनपुर अध्यक्ष रामवीर सिंह के नेतृत्व में उनके साथियों ने उमेश कुमार अग्रवाल को माला पहनाकर और गुलदस्ता भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। यह आयोजन उमेश कुमार अग्रवाल के आवास पर किया गया था, जिसमें दोनों संगठनों के सदस्यों ने सौहार्दपूर्ण माहौल में एक-दूसरे को बधाई दी। रामवीर सिंह ने उमेश कुमार अग्रवाल को अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में अग्रवाल सभा और अधिक सशक्त होगी। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि दोनों संगठन भविष्य में सामाजिक सौहार्द और सामुदायिक विकास के लिए मिलकर काम करेंगे। नवनियुक्त अग्रवाल सभा के अध्यक्ष उमेश कुमार अग्रवाल ने भी संघ के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी समुदायों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के महामंत्री विनोद कुमार गौतम, कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह, महताबुद्दीन, सुरेश सिंह, कमल सिंह, रोशनलाल ,जंग बहादुर, नबाव सैफी,तारिक मोहम्मद,सोम सिंह,नवल किशोर आदि मौजूद रहे।

जनपद में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रशिक्षण प्रदाताओं को किया गया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन से प्राप्त निदेर्शों एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन शिवानी बैंकट हॉल अमरोहा में किया गया। जिसका शुभारंभ शशि जैन जिला नगर पालिका अध्यक्ष अमरोहा एवं मुख्य विकास अधिकारी अमरोहा द्वारा दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अभ्यर्थियों को कौशल यूथ आइकॉन से सम्मानित किया गया एवं जनपद में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रशिक्षण प्रदाताओं को सम्मानित किया गया। राजकीय आई टी आई, प्रशिक्षण प्रदाताओ, मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया एवं सोमवार को रोजगार मेले में नियुक्ति प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को ऑफर लेटर वितरित किए गए। कार्यक्रम में अश्वनी कुमार मिश्रा मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने एवं जनपद के अधिष्ठानों एवं उद्योगों में मांग के अनुरूप योग्य अधिक से अधिक रोजगार सृजन हेतु बल दिय। साथी जनपद के राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों एवं प्रशिक्षण प्रदाताओं द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में प्रदर्शित जॉब एवं मॉडल की सराहना की एवं नवाचार के अंतर्गत और भी अधिक कार्य हेतु प्रोत्साहित किया, कार्यक्रम में राहुल कृष्ण शर्मा, नोडल प्रधानाचार्य सचिन आर्य प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गजरौला, प्रबंधक जिला अग्रणी बैंक, जिला उद्योग केंद्र से उपस्थित प्रतिनिधि द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 650 अभ्यर्थियों को संबोधित किया गया।

हाईवे पर अलग-अलग हादसे में 11 कांवड़िये घायल, भर्ती

अमरोहाः दिल्ली हाईवे पर रविवार देर रात चार अलग-अलग हादसों में 11 कांवड़िये घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया जहां से चार कांवड़ियों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मुरादाबाद के सिरकोई भूड़ निवासी अनमोल सैनी, राकेश सैनी रविवार रात करीब 10.35 बजे बाइक से ब्रजघाट से गंगा जल लेकर लौट रहे थे। वह गजरौला से करीब चार किलोमीटर ही आगे पहुंचे थे कि अज्ञात वाहन की साइड लगने से घायल हो गए। बाइक सवार रामपुर के टांडा निवासी प्रियांशु व कुंदरकी निवासी सुंदर की बेटी सोनी और दूसरी बाइक पर सवार कुंदरकी निवासी अनिल और अभिषेक ब्रजघाट से कांवड़ में गंगा जल लेकर लौट रहे थे। रात करीब 1.30 बजे कांकाठेर ढाल के पास उनकी बाइक आपस में भिड़ गई। हादसे में चार घायल हो गए। तीसरा हादसा करीब ढाई बजे हुआ। कांकाठेर निवासी मुनेश, मुरादाबाद के खुशहालपुर निवासी शिवराम शर्मा और कटघर निवासी यश भी बाइक फिसलने से घायल हो गए। इनके साथ हादसा कांकाठेर के सामने हुआ। चौथा हादसा सोमवार तड़के करीब 3.15 बजे औद्योगिक चौकी क्षेत्र में हाईवे पर हुआ। डिडौली क्षेत्र के गांव बरखेड़ा राजपूत निवासी हिमांशु व बुलंदशहर निवासी सोमवीर बाइक फिसल जाने के कारण घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद अनिल, अभिषेक, राकेश सैनी यश सैनी को रेफर कर दिया गया। सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि हाईवे पर हुए अलग-अगल हादसों में 11 कांवड़िये घायल हो गए। चार को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है।

धनौरा ब्लॉक परिसर में भाकियू (शंकर) ने किया धरना-प्रदर्शन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- मंगलवार को धनौरा ब्लॉक परिसर में भारतीय किसान यूनियन शंकर का एक धरना प्रदर्शन चौधरी नरपत सिंह मुखिया की अध्यक्षता व मा नौबहार सिंह चौहान के संचालन में हुआ ।धरने को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि मोदी योगी सरकार किसान व आवाम के लिए सराहनीय कार्य कर रही है परंतु विभागीय भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का लाभ पात्रों को नहीं मिल पा रहा है। सरकार ने 1 अप्रैल 2025 से किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 5 लाख कर दी है ,परंतु आज तक भी यह सर्कुलर जारी नहीं किया गया है किसान हित में तत्काल सर्कुलर जारी किया जाए। वेव शुगर मिल धनौरा चीनी मिल बंद होने के 3 माह बाद भी किसानों का लगभग 38 करोड़ रूपया अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान नहीं दे रही है। चीनी मिल से 15% ब्याज सहित पैसा भुगतान कराया जाए अन्यथा की दशा में वैधानिक कार्रवाई करते हुए उक्त चीनी मिल का उतने प्रतिशत गान्नाक्षेत्रफल काटकर दूसरी चीनी मिलों को देने का काम किया जाए। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में चोरों व तेंदुए का आतंक से ग्राम वासी रातों-रात पहरा देकर रहे हैं। पुलिस प्रशासन इस भय के माहौल से निजात दिलाए। प्रशासन की नीति के कारण अहसलाधरको को कारतूस नहीं मिल पा रहे हैं को तत्काल 25-25 कारतूस आधार कार्ड और लाइसेंस देखकर दिए जाएं। प्रदेश प्रवक्ता प्रिंसिपल सत्यवीर सिंह ने कहा कि मध्य गंगा नहर फेस टू जो मुरादाबाद मंडल के 5 लाख किसानों को लाभान्वित कर रही है जिसमे पानी नहीं छोड़ा जा रहा है जिस कारण किसानों में भारी रोष है। तत्काल मुख्य ब्रांच में पानी छोड़ा जाए, जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह ने कहा की केंद्र सरकार द्वारा पिछड़ों को ईवीएसडब्ल्यू प्रमाण पत्र में ग्रामीण क्षेत्र में मकान का क्षेत्रफल200 मी से बढ़कर 400 मी करते हुए प्रमाण पत्र की वैधता को 3 वर्ष किया जाए। जिला संरक्षक चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा की विद्युत कॉरपोरेशन घरेलू विद्युत धारों में 40% की वृद्धि करने का विचार कर रही है जिसका संगठन भर विरोध करता है। क्योंकि विद्युत उपभोक्ताओं के कॉरपोरेशन पर लगभग 40 हजार करोड़ रूपया सिक्योरिटी का जमा है।इसी के साथ संगठन विद्युत निजीकरण का घोर विरोध करता है। तहसील अध्यक्ष हरप्रीत सिंह ने कहा कि बाजार में नकली उर्वरक जीवन रक्षक दवाएं पेस्टिसाइड को रोकने के लिए एक अभियान चलाकर कानूनी कार्रवाई की जाए। शाम को 3:00 बजे के बाद सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी प्रदर्शन करते हुए उप जिला अधिकारी कार्यालय धनोरा पर पहुंचकर तहसीलदार को मांग पत्र सौपा,अंत में संगठन की एक कार्यकारिणी ने निर्णय लिया की कावड़ यात्रा के चलते श्रावण मास के सभी कार्यक्रम स्थगित किए जाते हैं। आज प्रदर्शन में प्रदेश प्रवक्ता प्रिंसिपल सत्यवीर सिंह ,शेर सिंह राणा ,राकेश रतनपुर ,संजय चौहान ,गजराम चौहान, मोनू चौधरी,साबिर सैफी ,सुंदर सिंह नरेश पप्पू ,रवि सैनी ,राजवीर सिंह, साहब सिंह ,डूंगर सिंह, युवराज चौधरी, जितेंद्र चौधरी, चंद्रभान सिंह, नरेश चौधरी, आफताब रवि चौधरी देवेंद्र सिंह रेशम सिंह, जोगिंदर सिंह, रवि पाल कपिल कुमार मंजू चौधरी बबीता रानी संगीता रानी संध्या शर्मा मीनाक्षी ग्रेवाल पूनम चौधरी कुसुमलता, रतन शर्मा रश्मि यादव रीनापाल मीनाक्षी धारीवाल आदि हजारों कार्यकर्ता मौजूदरहे।

आशाओं की कमीशनखोरी के चलते जच्चा-बच्चा की जान को बढ़ रहा है खतरा

आशाओ को जच्चा बच्चा केंद्र संचालकों द्वारा दिए गए कूपन पर अवैध सेंटरों पर हो रहे हैं प्रशव

स्थानीय स्वास्थ्य विभाग मौन आशाओं एवं जच्चा बच्चा केंद्र संचालकों की हो रही है बल्ले बल्ले

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आखिर इन जच्चा बच्चा केंद्र संचालकों के विरुद्ध क्यों नहीं कर रहे कार्यवाही

आरोपी जच्चा बच्चा केंद्र पर रिपोर्ट दर्ज दर्जनों संचालित जच्चा बच्चा केदो पर क्यों नहीं हो रही कार्यवाही, क्यों चुप्पी साधे है स्वास्थ्य विभाग,

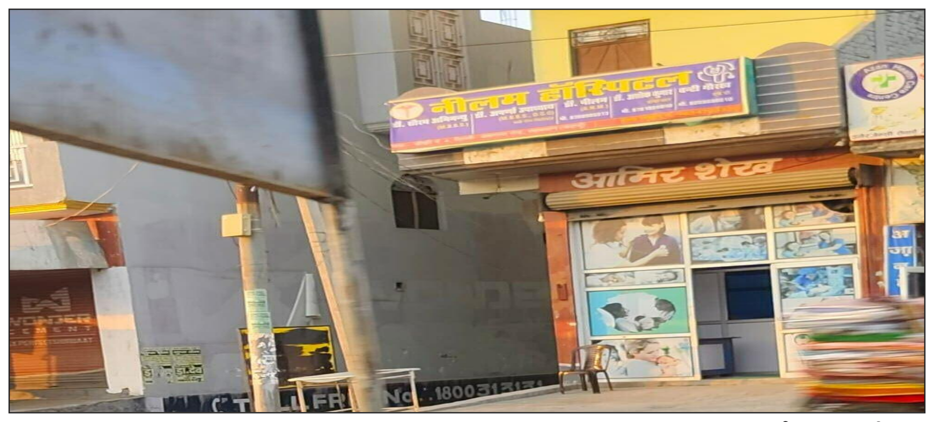

सहसवान/बदायूं(सब का सपना):- भारत सरकार द्वारा ग्रामीण अंचल में नवजात शिशु एवं प्रसुताओं की बढ़ रही मृत्यु दर को रोकने के उद्देश्य से ग्रामीण अंचल एवं नगरों में गर्भवती महिलाओं व उनके शिशुओं के स्वास्थ्य पर नजर रखना वी स्वास्थ्य केदो पर सरकार द्वारा दी जा रही व्यवस्थाओं को जागरूक करके गर्भवती महिलाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर उन्हें उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवा से लाभान्वित कराना था साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केदो पर आने वाली गर्भवती महिलाओं को उनके स्वास्थ्य खान-पान के लिए भी सरकार द्वारा एक निश्चित राशि उनके खातों में भेजने के भी इंतजाम किए गए परंतु स्थानीय आशाओं द्वारा गर्भवती महिलाओं (जिनके प्रशव होने हैं)कोआशा कार्यकर्ता कमीशनखोरी के चक्कर में नवजात शिशुओं और उनकी माताओं की जान के लिए खतरा बन गई है। जबकि सरकारी अस्पतालों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद, मोटी कमीशन के लालच में आशाएं गर्भवती महिलाओं को अवैध निजी जच्चा बच्चा चिकित्सा केंद्रों पर प्रसव कराने के लिए के लिए मजबूर कर रही हैं। वह स्वयं तो अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्रों पर ना जाकर उन्हें जच्चा बच्चा केंद्रों के प्रबंधकों द्वारा दिए गए कूपन, टोकन, पर्ची, पर महिला का नाम लिखकर यह कहते हुए भेजा जाता है कि अगर यह कूपन टोकन पर्ची जब लेकर जाओगी तो आपको उपरोक्त स्वास्थ्य केंद्र पर अच्छी सुविधा मिलेगी बेचारे भोले भाले ग्रामों के लोग उनके मीठी मीठी बातों में फंसकर अभेद रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्र पर पहुंच जाते हैं जहां उन्हें सुविधाओं के नाम पर ठेंगा दिखाते हुए तरह-तरह से गर्भवती महिलाओं के प्रसव की भ्रामक जानकारी देकर उन्हें गुमराह किया जाता है कि ऐसा करने से जच्चा के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा वैसा करने से बच्चों के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा ऐसा वैसा जैसा दिखाकर उनसे हजारों रुपए हड़प लेते हैं और अशिक्षित लोगों के हाथों प्रसव कराते हैं अगर प्रसव सफल हो गया तू जच्चा बच्चा केंद्र की बल्ले बल्ले उसे दंपत्ति द्वारा मिठाई के रूप में और भुगतान किया जाता है और प्रसव असफल होने पर उसे तत्काल सुविधा ना होने की जानकारी देकर हायर सेंटर ले जाने की सलाह दी जाती है इसी सलाह के चलते बीते 2 सालों में सहसवान नगर एवं देहात क्षेत्र में पांच दर्जन से ज्यादा अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्र में नव जात शिशुओं एवं प्रसुताओं की मौत हो चुकी है परंतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा किसी भी अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्र संचालकों के विरुद्ध एक भी रिपोर्ट दर्ज नहीं नहीं कराई जबकि 13 जून को राजकीय पशु चिकित्सालय के निकट मुख्य मार्ग पर बिना किसी बोर्ड के अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्र में जच्चा बच्चा की हुई मृत्यु के बाद केंद्र पर परिजनों द्वारा किए जा रहे हंगामा को देखकर मौके पर पहुंची थाना कोतवाली पुलिस ने बड़ी सूझबूझ का परिचय देते हुए आनंद-फानन में मृतकों के शव को सील करके पीएम को भेज

दिया चर्चा है जच्चा बच्चा केंद्र संचालक के गुर्गों द्वारा एवं मृतकों के परिजनों से सौदेबाजी करने का सिलसिला भी प्रारंभ हो गया चर्चा है यही कारण है कि जच्चा बच्चा मृतक के परिजनों द्वारा कोई भी प्रार्थना पत्र थाना कोतवाली को नहीं दिया गया पुलिस ने पंचायत नामा भरकर जच्चा बच्चा मृतकों के शब को सील करके पीएम को भेज दिया। मामला जिला मुख्यालय पर जब जनपद स्तरीय अधिकारियों पर समाचार पत्र एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से जब तो स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अपनी चुप्पी तोड़ी और आनंन-फानन में नोडल अधिकारी आरोपी अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्र पर पहुंचे जहां मोहल्ले वासियों ने उन्हें सब कुछ बता दिया उसके बाद उन्होंने केंद्र के संचालक सौरभ वर्मा से भी मोबाइल पर बात की और जच्चा बच्चा केंद्र संचालित करने के अभिलेख मांगे केंद्र संचालक सौरभ वर्मा ने जब अपने चाचा बच्चा केंद्र संचालित करने के मोबाइल पर अभिलेख नोडल अधिकारी को भेजें तो इसमें कोई भी ऐसा अभिलेख उपलब्ध नहीं था जिसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा जच्चा बच्चा केंद्र संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई हो स्वास्थ्य विभाग द्वारा जच्चा बच्चा की मोतो का जिम्मेदार जच्चा बच्चा केंद्र संचालक सौरभ वर्मा के विरुद्ध नोडल अधिकारी चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर प्रशांत त्यागी ने थाना कोतवाली सहसवान में अवैध रूप से जच्चा बच्चा केंद्र संचालित करने का अपराध पंजीकृत कर दिया। जबकि इससे पूर्व नगर के मोहल्ला सैफुल्लागंज में स्वास्थ्य विभाग से रिटायर एक स्वास्थ्य कर्मचारी महिला द्वारा अवैध रूप से जच्चा बच्चा केंद्र संचालित किया जा रहा है चर्चा यह भी है कि उपरोक्त केंद्र पर अवैध रूप के गर्भपात भी किए जाते हैं जिनसे लाखों रुपए की वसूली की जाती है उपरोक्त जच्चा बच्चा केंद्र में प्रसव करना तो आम बात है यहां भी बीते माह एक प्रसूता की प्रसव के दौरान मौत हो गई थी परिजनो ने हंगामा किया परिजन मृतक प्रसूता को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां उन्होंने मौत का जिम्मेदार अवैध रूप से जच्चा बच्चा केंद्र संचालित कर रही संचालिका पर लगाते हुए जमकर हंगामा किया ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ बलराम यादव ने तत्काल एक मेमो बनाकर थाना कोतवाली भेज दिया जहां मेमो मिलते ही सक्रिय हुई थाना कोतवाली पुलिस भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गई और मृतक प्रसूता के शव को कब्जे में ले लिया तथा पीएम के लिए पंचायतनामा भरना शुरू कर दिया इसी बीच चर्चा है परिवार के ही कुछ लोगों एवं जच्चा बच्चा केंद्र संचालिका के मध्य हुई सौदेबाजी के चलते मृतका के परिजनों ने पीएम कराने से इनकार कर दिया परिजनों के इनकार करने पर पुलिस ने भी अपने हाथ पीछे खींच लिए अब सवाल पैदा होता है क्या स्थानीय स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं थी कि वह आरोपी जच्चा बच्चा केंद्र पर जाकर घटनाक्रम की जांच करें परंतु ऐसा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा नहीं किया गया इससे टोल नंबर चार पर संचालित एक जच्चा बच्चा केंद्र पर भी एक प्रसूता की मौत हो गई जच्चा बच्चा केंद्र संचालक एवं मृतक प्रसूता के परिजनों द्वारा हुई सौदेबाजी के चलते मामला टॉय टॉय फिश हो गया क्या स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं थी कि वह मौके पर टीम भेज कर जच्चा बच्चा केंद्र की जांच करता परंतु जिम्मेदार स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने उपरोक्त स्वास्थ्य केंद्र पर भी जाना उचित नहीं समझा इससे पूर्व भी सहसवान बिसौली नाधा तीराहे पर स्थित एक जच्चा बच्चा केंद्र पर भी जच्चा बच्चा की मृत्यु हो गई मौके पर पहुंचे परिजनों ने स्वास्थ्य केंद्र पर जमकर हंगामा किया एवं मारपीट की मौके पर थाना कोतवाली पुलिस पहुंच गई जैसे तैसे मृतक के परिजनों के चांगल से स्टाफ कर्मचारियों को व मुश्किल बचाया चर्चा है इस मामले में भी मृतका का पति जच्चा बच्चा केंद्र संचालक के विरुद्ध अपराध पंजीकृत करना चाहता था परंतु मृतका के मायके वालों द्वारा जच्चा बच्चा केंद्र संचालक से आर्थिक समझौता करके मामला टॉय टॉय फिश कर दिया गया। क्या वहां भी स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को पहुंचकर जच्चा बच्चा केंद्र संचालक के विरुद्ध कार्यवाही नहीं करनी थी परंतु ऐसा नहीं हुआ आखिर क्यों? इधर नगर के अकबराबाद मोहल्ले से हरदत्तपुर मार्ग पर स्थित एक अवैध रूप से संचालित जच्चा बच्चा केंद्र पर भी स्टाफ कर्मचारियों को लेकर दिनदहाड़े ताबड़तोड़ गोली चली जिसमें एक बेकसूर दूधिया मारा परंतु मामला समाचार पत्रों में प्रकाशित होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग का एक भी कर्मचारी मामले की जांच करने मौके पर नहीं पहुंचा आखिर ऐसा कौन सा कारण है की नगर एवं देहात क्षेत्र में तरह-तरह की तकनीकी ग्राहकों को लुभाने वाले स्वास्थ्य केंद्र पर नारे लिखकर बड़े-बड़े होडिंग लगाकर जच्चा बच्चा केंद्र संचालित हो रहे हैं जिसमें नगर के मात्र चार पंजीकृत जच्चा बच्चा केंद्रों को छोड़ दिया जाए तुम नगर में एवं देहात क्षेत्र में पांच दर्जन से ज्यादा जच्चा बच्चा केंद्र स्वास्थ्य विभाग के लाभकारियों के संरक्षण में पल पोस रहे हैं परंतु स्वास्थ्य विभाग पूर्ण रूप से आंखें मूंदे बैठा हुआ अपनी तिजोरी भरने में लगा हुआ है। स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी चिकित्सा अधीक्षक द्वारा 13 जून को राजकीय पशु चिकित्सालय के निकट जच्चा बच्चा की हुई मृत्यु के आरोपी जच्चा बच्चा केंद्र संचालक के विरुद्ध ही क्यों अपराध पंजीकृत कराया गया इससे पहले भी कई जच्चा बच्चा केदो पर प्रसूता एवं नवजात शिशुओं की मौत हो चुकी हैं परंतु विभाग द्वारा आरोपी जच्चा बच्चा केंद्र संचालकों के विरुद्ध अपराध पंजीकृत न कराए जाने का मामला लोगों पचा नहीं पा रहे हैं कह रहे हैं कि आखिर कुछ ना कुछ तो दाल में काला है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सहसवान में कई आशा कार्यकर्ता सरकारी अस्पतालों के बजाय उन निजी नर्सिंग होम या अवैध क्लिनिकों से सांठगांठ किए हुए हैं, जहां उन्हें प्रत्येक डिलीवरी पर बड़ा कमीशन मिलता है। ये आशाएं गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को सरकारी अस्पतालों की कमियों और निजी सेंटरों की तथाकथित "बेहतर सुविधाओं" का हवाला देकर गुमराह करती हैं। परिणामस्वरूप, कई महिलाएं ऐसे अप्रशिक्षित या कम सुविधाओं वाले केंद्रों पर डिलीवरी कराने को मजबूर होती हैं, जहां जच्चा और बच्चा दोनों की जान को गंभीर खतरा होता है। अक्सर इन अवैध केंद्रों पर प्रशिक्षित स्टाफ, आपातकालीन सुविधाएं और जीवन रक्षक उपकरण मौजूद नहीं होते, जिससे जटिलताओं की स्थिति में गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं। सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त सुविधाएं, फिर भी अनदेखीः यह स्थिति तब और भी चिंताजनक हो जाती है जब यह देखा जाता है कि सहसवान के सरकारी अस्पताल में गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए पर्याप्त और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां प्रशिक्षित डॉक्टर, नर्सें, मुफ्त दवाएं और आवश्यक उपकरण मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना है। इसके बावजूद, कमीशन के खेल में ये सुविधाएं उपेक्षित हो रही हैं। इस गंभीर मसले पर स्थानीय प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन को इस कमीशनखोरी के रैकेट पर तत्काल लगाम लगाये जाने और दोषी आशा कार्यकताओं व अवैध चिकित्सा केंद्रों कार्यवाही की जाने के लिए नगर एवं देहात क्षेत्र की जनता संयुक्त रूप से एक पत्र मुख्यमंत्री को भेज कर नगर एवं देहात क्षेत्र में संचालित अवैध जच्चा बच्चा केंद्रों के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने तथा इस कार्य में लिप्त आशा कार्यकर्ता की कार्य प्रणाली की भी जांच कराई जाने की मांग की है ।

नगरपालिका ने वर्षो से बंद पड़े पुस्तकालय का पुनर्निर्माण कर किया संचालित

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- चंदौसी नगर पालिका की एक और नई पहल वर्षों से बंद पड़े पुस्तकालय का पुनर्निर्माण कर संचालित किया गया बताते चले कि पूर्व में स्टेशन रोड पर नगर पालिका द्वारा पुस्तकालय का निर्माण किया गया था परंतु जो विगत कई वर्षों से बंद पढ़ा हुआ था। वर्तमान अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी के संज्ञान में आते ही उक्त पुस्तकालय को पुनः निर्मित कर संचालित किया गया है। जिससे नगर के नागरिक /छात्र शांत व स्वच्छ वातावरण में अध्ययन कर सके उक्त पुस्तकालय में सभी प्रकार की पुस्तके उपलब्ध हैं ।पुस्तकालय का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष

लता वार्ष्णेय अधिशासी अधिकारी धर्मराज राम, समाजसेवी अखिलेश खिलाड़ी द्वारा फीता काटकर किया गया कार्यक्रम में सभासद तरुण नीरज, प्रियंका सिंह, सुनील कुमार सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, ऋषभ कुमार ,चंद्र मोहन आदि उपस्थित रहे।

संभल की महक परी गैंग को इंस्टाग्राम पर अश्लीलता बेचने वाली सस्ती लोकप्रियता हासिल वाली माडर्न मल्लिकाएं हवालात में

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- संभल में इंस्टाग्राम रील का मोबाइल दुनिया में नया गंदा खेल चल गया है इंस्टाग्राम पर अश्लीलता का बाजार सजा रखा है जहां देखो गंदगी ही गंदगी। सम्भल में भी एक मामला देखने को मिला वो था इंस्टाग्राम पर Mahak Pari की आईडी के नाम से। महरूल निशा उर्फ.परी, महक, हिना जर्रार नाम तो सुनने में इंस्टा इन्फ्लुएंसरों वाले। लेकिन करतूत? बस कैमरा ऑन किया और गालियां, अश्लील इशारे, नंगापन। इनका सीधा का फंडा था कैसे भी पैसा कमाओं। लेकिन बड़ी बात ये है क्या इनके रिश्तेदार, माता पिता, भाई बहिन इनकी वीडियो रील देखकर क्या सोचते होंगे। संभल जैसे संवेदनशील शहर में अगर आप सोचते हैं कि सोशल मीडिया पर बस सेल्फी और गाने के डायलॉग ही चलते हैं तो जरा संभल जाइए। यहां की महक और परी गैंग ने तो सारी हदें पार कर दीं। इंस्टाग्राम पर अश्लील वीडियो, गालियों की भरमार और गंदगी का

ऐसा अड्डा चला रही थीं कि मोहल्ले के बुजुर्ग भी शर्म से पानी-पानी हो गए। पैसा और व्यूज बढ़ाने के लालच में इन्होंने अपने परिवार की इज्जत को नीलाम कर दी। पुलिस को अंदेशा हुआ कि अगर ये बेहूदगी ऐसे ही चली तो संभल में कोई बड़ा बवाल न खड़ा हो जाए। असमोली थाना पुलिस ने इनके गैंग पर संगीन धाराओं में केस दर्ज कर दिया है अब महक-परी गैंग के लिए इंस्टा लाइक्स से ज्यादा जरूरी पुलिस से छुपना हो गया था मामला यही नहीं थमा जैसे ही पुलिस ने FIR दर्ज की वैसे ही इनका पूरा गैंग ने अपनी गली छोड़ दी और भाग खड़ी हुई थी। शाहबाजपुरकला गांव की ये दोनों इंस्टा क्वीन अब फरार बताई जा रही थी लेकिन पुलिस इनके ठिकानों की खाक छान कर इंस्टाग्राम गैंग को पकड़ कर सम्बन्धित धाराओं में चालान कर जेल भेज दिया। पुलिस अफसरों का कहना है कि अब यह सोशल मीडिया की अश्लील रानी जेल में चक्की पिसती नजर आएंगी। बात समाज में इस गंदगी को पसंद की जाने की भी है जो लोग इंस्टाग्राम पर जो इनके व्यूज और फॉलोअर बढ़ाकर इन्हें रातों रात स्टार बना देते है। संभल जैसे जिले में इस तरह की हरकतें पहले भी माहौल खराब कर चुकी हैं। पुलिस बार-बार चेताती है कि सोशल मीडिया को गंदगी का डस्टबिन मत बनाओ। शहर में लोगों का कहना है कि अब वक्त आ गया है कि ऐसे कंटेंट पर सख्त एक्शन लिया जाए। वरना ये बच्चों के मोबाइल से होते हुए गली-गांव तक जहर घोलती रहेंगी।

सड़क हादसे में मारे गए आठ लोगों के परिजनों से मिला सपा का प्रतिनिधि मंडल

परिजनों से मिलकर की शोक संवेदना व्यक्त एवं हर संभव मदद करने को कहा

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार संभल समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल जनपद संभल विधानसभा गुन्नौर के गांव हरगोविंदपुर ब्लाक जुनावई पहुंचा। आपको बता दें कि गांव से गई बारात बोलोरो जुनाबाई कालेज की दीवार से टकराकर दूल्हा सहित आठ लोगों की मृत्यु हो गई थी उनके परिजनों से आज जाकर मिला प्रतिनिधि मंडल ने उनके परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की एवं हर संभव मदद करने को कहा प्रतिनिधिमंडल में आदित्य यादव सांसद बदायूं राज्य सभा सांसद जावेद अली खान जिया उर रहमान बर्क सांसद संभल प्रतिनिधि फरात भाई गुन्नौर विधायक राम खिलाड़ी सिंह यादव नबाब इकबाल महमूद विधायक पूर्व मंत्री पिंकी सिंह यादव विधायक असमौली जिला अध्यक्ष संभल असगर अली अंसारी प्रदीप कुमार गुड्डू पूर्व विधायक राजेश यादव पूर्व विधायक जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार लड्डन मियां वरिष्ठ नेता अमित यादव विधानसभा अध्यक्ष सम्मिलित थे। अखिलेश यादव पप्पू यादव केपी यादव रामू यादव अमरीश यादव गुल्लू यादव देव वृत यादव डा राहिल सुनील यादव रियासत सैफी आसिफ सिद्दीकी हाफिज अनजर एस पी विलाल साबिर खान शोभित कुमार काका कमल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सांप काटने का इलाज चंदौसी में नहीं, बल्कि बिसौली में इलाज

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- आपको यह जानकारी शायद नहीं होगी कि सांप काटने का इलाज बिसौली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर हो रहा है। जानकारी के अनुसार मई 2025 में सात सांप काटे मरीजों को स्वस्थ किया जा चुका है। आपको बता दें कि अभी एक खबर आई थी कि एक स्नेक सेवर ह्ममुरली वाले हौसला को काले नाग ने काट लिया था। इसके बाद उसे जिला अस्पताल पर भर्ती कराया था। जहां पर एंटीवीनम नाम का बैक्सीन लगाया गया था और वह स्वस्थ हो गए थे। लेकिन सभी को ये नहीं पता कि अगर अपने इलाके में भी किसी को सांप काट ले तब ऐंटी वीनम कहां मिलेगा? जानकारी करने पर पता लगा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसौली पर एंटीवीनम मौजूद है। जानकारी देते हुए चीफ फार्मासिस्ट धीरेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसौली पर एंटीवीनम पर्याप्त मात्रा में मौजूद है। उन्होंने बताया कि मई 2025 में सांप के द्वारा काटे गए मरीज हरीशंकर निवासी अगवानपुर, अनेकपाल निवासी सर्वा, तेजवती पत्नी गंगाराम सराय बाजार थान उघैती, जून माह में अमित पाठक निवासी बसई, सोमवती निवासी हत्सा, चंद्रवती, जरारा, अतर सिंह नौली हरनाथपुर पूर्ण रूप से स्वस्थ हो चुके हैं। उनका कहना है कि जब भी कभी किसी को सांप काट ले तब उसे झाड फूंक के चक्कर में पडने के बजाए सीधे बिसौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाएं और ऐंटीवीनम लगवाऐं और जीवन बचाऐं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा, रिक्त दुकान, खाद्य विपणन एवं मंडी की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा, रिक्त दुकान,खाद्य विपणन एवं मंडी की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम राशन की रिक्त लंबित दुकानों को लेकर विकासखंड वार चर्चा की गयी। जिसको लेकर जिलाधिकारी ने निर्देशित करते कहा कि जो दुकान रिक्त है और दो माह से उसे दुकान को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी की जाए। लंबित दुकानों की कार्रवाई को लेकर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। परियोजना निदेशक डीआरडीए स्तर पर लंबित दुकानों की पत्रावलियों को लेकर जिलाधिकारी ने सचेत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी किसी भी दुकान की पत्रावली 7 दिन से अधिक किसी भी अधिकारी के स्तर पर लंबित रहती है तो जिला आपूर्ति अधिकारी, अपर जिलाधिकारी के साथ बैठकर समीक्षा बैठक करें। मृतक आश्रित की रिक्त दुकानों का आवंटन यथाशीघ्र सुनिश्चित की जाए। जिला पूर्ति अधिकारी ने राशन कार्डों के सत्यापन के विषय में जिलाधिकारी को अवगत कराया जिसको लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम पंचायत से राशन कार्ड बनाने के लिए जो प्रस्ताव आए हैं उन प्रस्तावों का गहनता से अवलोकन किया जाए एवं पात्रता की पुनः जांच करते हुए अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मॉडल शॉप को लेकर जिलाधिकारी ने जानकारी प्राप्त की उन्होंने कहा कि जो मॉडल शॉप निर्माणधीन है उनको यथाशीघ्र गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण करते हुए हैंडोवर की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिन मॉडल शापों का भूमि चिन्हांकन नहीं किया गया है जिसको लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि संबंधित उप जिलाधिकारियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराएं और उन्होंने कहा कि अगले माह समस्त उप जिलाधिकारी बैठक में उपस्थित रहें अपनी समस्त सूचनाओं के साथ।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने दुकानों की संकरे रास्ते के विषय में जानकारी दी जिसको लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि शासनादेश के अनुसार स्थान परिवर्तन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग, तथा समस्त पूर्ति निरीक्षक, एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सैनिक स्कूल अमेठी ने मनाया छठ वां स्थापना दिवस मनाया, किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- सैनिक स्कूल अमेठी ने अपने छठ वें स्थापना दिवस को हर्षोउल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर स्कूल में रन फॉर फन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने मिलकर फिटनेस और एकजुटता का परिचय दिया। यह आयोजन शारीरिक फिटनेस और टीम भावना को प्रोत्साहित करने का प्रतीक था। इसके बाद एक विशेष सभा का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। पारंपरिक नृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियाँ दर्शकों का दिल जीतने में सफल रही। ये प्रस्तुतियाँ स्कूल के अनुशासन, मेहनत और देशभक्ति के मूल्यों को उजागर करती हैं। इस कार्यक्रम में अमेठी के जिला मजिस्ट्रेट संजय सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों की मेहनत और संस्थान की प्रगति की सराहना करते हुए, उन्हें आगे बढ़ने और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल सतवीर सिंह ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह उत्सव केवल अतीत की उपलब्धियों को मनाने का नहीं, बल्कि भविष्य की नई उपलब्धियों के लिए प्रेरणा लेने का भी अवसर है। उन्होंने यह भी बताया कि स्कूल का लक्ष्य न केवल छात्रों को अकादमिक ज्ञान देना है, बल्कि उन्हें एक सक्षम नागरिक और राष्ट्रसेवक के रूप में तैयार करना है।

18 जुलाई से शुरू होगा पंचायत चुनाव मतदाता सूची का वृहद पुनरीक्षण अभियान:- जिला निर्वाचन अधिकारी

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) संजय चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ के निदेर्शानुसार अमेठी जनपद में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का निम्नांकित समय सारिणी के अनुसार वृहद पुनरीक्षण सम्पन्न कराया जाएगा, जिसमें दिनांक 18 जुलाई 2025 से 13 अगस्त 2025 तक किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के किसी अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिन्ट करने की कार्यवाही, बी० एल०ओ० एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन उन्हें तत्सम्बन्धी जानकारी देना प्रशिक्षण तथा स्टेशनरी आदि का वितरण उपर्युक्त दोनों कार्यवाही पृथक-पृथक तथा समानान्तर चलेंगी, दिनांक 14 अगस्त 2025 से 29 सितंबर 2025 तक बी० एल०ओ० द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार करने की अवधि (01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए जाएंगे),ऑनलाइन आवेदन करने की अवधि, 14 अगस्त 2025 से 22 सितंबर 2025 तक, ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर जाँच करने की अवधि, 23 सितंबर 2025 से 29 सितंबर 2025 तक, निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि, 30 सितंबर 2025 से 6 अक्टूबर 2025 तक, ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार करना (निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही) 7 अक्टूबर 2025 से 24 नवंबर 2025 तक, निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र / स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैंपिग, मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटोप्रतियों कराने आदि, 25 नवंबर 2025 से 4 दिसंबर 2025 तक, अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन, 5 दिसंबर 2025, आलेख्य के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण, 6 दिसंबर 2025 से 12 दिसंबर 2025 तक, दावे एवं आपत्तियों प्राप्त करना (01 जनवरी, 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी निर्वाचकों के भी स्वीकार किये जाएंगे) 6 दिसंबर 2025 से 12 दिसंबर 2025 तक, दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण, 13 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक, दावे/आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियाँ तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा करने की अवधि, 20 दिसंबर 2025 से 23 दिसंबर 2025 तक, दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही, 24 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक, पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र / स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियाँ कराने आदि, 9 जनवरी 2026 से 14 जनवरी 2026 तक एवं निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन,15 जनवरी 2026 को किया जाएगा, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रमुख स्थानीय समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना पट्ट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित किया जाएगा, निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित समय सारिणी अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जाएगा। किसी भी परिस्थिति में समय सीमा नहीं बढ़ायी जाएगी।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में को क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मोटरसाइकिल पैदल लिये जा रहे व्यक्ति संदिग्ध प्रतीत होने पर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना नाम अंकुल उर्फ शिवा पुत्र जवाहर लाल निवासी धमरावां मजरे जंगल रामनगर थाना व जनपद अमेठी उम्र करीब 25 वर्ष बताया व मोटरसाइकिल के कागजात मांगने पर दिखा न सका। मोटरसाइकिल के बारे में पूछताछ में बताया कि मैनें यह मोटरसाइकिल 12/7/25 की रात में सरकारी अस्पताल के पास शिव मेडिकल स्टोर के बाहर से लॉक तोड़कर चोरी की थी मगर स्टॉर्ट न होने के कारण अस्पताल के पीछे झाड़ियों में छुपा दिया था । जिसे अब मैं ले जा रहा था। उक्त मोटरसाइकिल की चोरी के संबंध में थाना गौरीगंज पर मु0अ0सं0 237/25 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत है । बरामदगी के आधार पर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। खबर लिखे जाने तक गिरफ्तारी के संबन्ध में थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल द्वारा आज जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र अमेठी, कार्यालय भूमि संरक्षण अधिकारी तथा कार्यालय जिला कृषि अधिकारी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य शासकीय कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्य व्यवस्था, अभिलेखों के रखरखाव, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा कार्यालयीन अनुशासन की स्थिति की समीक्षा करना था। निरीक्षण के प्रथम चरण में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उपायुक्त उद्योग कार्यालय का भ्रमण किया गया। उपस्थिति पंजिका के अवलोकन में यह पाया गया कि विवेक कुमार मिश्रा (सीएम फेलो), योगेन्द्र कुमार यादव (सीएम फेलो) तथा उद्यमी मित्र प्रवीण कुमार कार्यालय से अनुपस्थित रहे या देर से पहुंचे। विशेष रूप से प्रवीण कुमार पूर्वाह्न 11:14 बजे कार्यालय आए, जिनसे पूछे जाने पर बताया गया कि वे जगदीशपुर में दीपक अस्पताल का सत्यापन करने गए थे। इस देरी को गंभीरता से लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने उपायुक्त उद्योग दिनेश चौरसिया को निर्देशित किया कि इन कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त कर प्रस्तुत करें तथा भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उक्त कार्यालय कक्ष की साफ-सफाई की व्यवस्था असंतोषजनक पाई गई। अभिलेखों का रखरखाव व्यवस्थित नहीं था तथा कर्मचारियों की मेजों पर न तो नामपट्टिकाएं थीं और न ही किसी कर्मी द्वारा पहचान-पत्र धारण किया गया था। इस स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देशित किया गया कि सभी कर्मचारियों द्वारा पटल की पहचान सुनिश्चित की जाए, आईडी कार्ड धारण किया जाए एवं कार्यालय को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया जाए। इसके पश्चात मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कार्यालय भूमि संरक्षण अधिकारी तथा जिला कृषि अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया गया। उपस्थिति पंजिका के अवलोकन में यह पाया गया कि संजय कुमार श्रीवास्तव (प्रधान सहायक) तथा इंद्रपाल (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी) अनुपस्थित पाए गए। इस पर निर्देशित किया गया कि उक्त कर्मचारियों का आज दिनांक 15 जुलाई 2025 का वेतन अग्रिम आदेशों तक बाधित किया जाए तथा उनका स्पष्टीकरण प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए। उक्त कार्यालयों में भी स्वच्छता की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। अभिलेखों का रखरखाव अव्यवस्थित था, कर्मचारियों की मेजों पर नामपट्टिकाएं नहीं थीं एवं कोई भी कर्मचारी आईडी कार्ड धारण किए हुए नहीं मिला। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी कार्यालयों में इन बिंदुओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा तीन दिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा यह स्पष्ट निर्देश दिया गया कि सभी कार्यालयाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि कार्यालय समय पर खुले, कर्मचारियों की उपस्थिति नियमित रूप से पंजिका में अंकित की जाए तथा समस्त अभिलेख सुव्यवस्थित ढंग से सुरक्षित रखे जाएं। कार्यालयीन अनुशासन बनाए रखने हेतु सभी कर्मचारी नामपट्टी युक्त पटल का प्रयोग करें एवं अनिवार्य रूप से पहचान पत्र धारण करें। इसके अतिरिक्त यह भी निर्देशित किया गया कि उद्योग, कृषि एवं भूमि संरक्षण विभागों द्वारा चलाई जा रही समस्त योजनाओं का लाभ शासनादेश में वर्णित पात्रता के अनुसार प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुंचे। किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना से वंचित न किया जाए एवं विभागीय स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से किया जाए, जिससे शासन की मंशा के अनुरूप जनहित में योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच सके।

डीएम द्वारा तहसील गौरीगंज परिसर में स्थित ई0 वी0 एम0/ वी0 वी0 पैट वेयर हाउस (स्ट्रांग रूम) का किया गया निरीक्षण

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजय चौहान द्वारा तहसील गौरीगंज परिसर में स्थित ई0वी0एम0 एवं वी0वी0 पैट वेयर हाउस का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैलेट यूनिट, कंट्रोल रूम, स्ट्रांग रूम, रिजेक्टेड यूनिट कक्ष, वीवी पैट कक्ष का अवलोकन किया गया। उक्त वेयर हाउस में विधानसभा क्षेत्र- अमेठी, गौरीगंज, तिलोई व जगदीशपुर निर्वाचन क्षेत्र की ई0 वी0 एम0/वी0वी0 पैट मशीने लॉक के अन्दर संरक्षित हैं। उन्होंने सम्बन्धित को निर्देशित करते हुए कहा कि सुरक्षा के दृष्टिगत स्ट्रांग रूम की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाय इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि/रा अर्पित गुप्ता, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व जिला निर्वाचन कार्यालय के स्टाफगण उपस्थित रहें

अमेठी में लेखपाल संघ का धरना प्रदर्शन, हापुड़ प्रकरण को लेकर उठाई न्याय की मांग

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- तहसील मे लेखपाल संघ ने किया विरोध प्रदर्शन, हापुड़ जिले में लेखपाल सुभाष मीणा द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना को लेकर लेखपाल संघ में आक्रोश व्याप्त है। इसी क्रम में सोमवार को अमेठी तहसील परिसर में लेखपाल संघ अध्यक्ष प्रभात सिंह के नेतृत्व में लेखपालों ने धरना प्रदर्शन किया। धरने में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि हापुड़ में ग्राम चौपाल के दौरान ग्रामीण की शिकायत पर जिलाधिकारी ने लेखपाल सुभाष मीणा की बात सुने बिना उन्हें भगा दिया। उपजिलाधिकारी ने भी कोई सुनवाई नहीं की। इससे आहत होकर सुभाष मीणा ने तहसील परिसर में जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रात में उनकी मौत हो गई। धरने को संबोधित करते हुए जनार्दन मिश्रा ने कहा, हमारा संघ सुभाष मीणा के साथ हुए उत्पीड़न के खिलाफ है। उनकी कोई सुनवाई नहीं की गई, जिसके चलते उन्होंने जान दे दी। इसी सिलसिले में पूरे प्रदेश में आज सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके बाद सभी तहसीलों के अध्यक्ष मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपेंगे। धरने में जिले के सभी लेखपाल मौजूद रहे और सुभाष मीणा को श्रद्धांजलि दी गई। लेखपाल संघ ने घटना की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

राजकीय आईटीआई गौरीगंज में विश्व युवा कौशल दिवस का किया गया आयोजन

जिला पंचायत अध्यक्ष और जिलाधिकारी ने फीता काटकर प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- आईटीआई गौरीगंज में विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कौशल विकास केंद्र तथा आईटीआई के छात्र-छात्राओं द्वारा मॉडल प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका उद्घाटन मा. जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, जिलाधिकारी संजय चौहान व मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया तदोपरांत प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया एवं छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने 11 यूथ आइकॉन को प्रशस्ति पत्र, 11 युवाओं को नियुक्ति पत्र एवं पांच उद्यमियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि दूरदर्शी, पक्का इरादा, कड़ी मेहनत और ईमानदारी यह चार चीज होंगी तो आपको सफलता जरूर मिलेगी, शासन द्वारा युवाओं के लिए अपना निजी स्टार्टअप स्थापित करने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की गई है जिससे युवा तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए अपना निजी व्यवसाय प्रारंभ कर सकते हैं इसके लिए उन्हें ऋण की भी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिलाधिकारी संजय चौहान ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम अपने हाथ में हुनर को पैदा करें और हमारे हुनर से चार और लोगों को रोजगार मिले इसी दशा में कार्य करें। मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी का उद्देश्य है कि हमारे युवा अपना निजी स्टार्टअप प्रारंभ कर अन्य युवाओं को रोजगार देने वाले बने। इस अवसर पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अंतर्गत लाभ पाकर अपना स्टार्टअप चलाने वाले युवाओं ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को अपनी सफलता की कहानी बताई। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई जायस शिवाकांत द्विवेदी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी, जीएमडीआईसी दिनेश कुमार चौरसिया, प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई गौरीगंज विवेक कुमार, संजय सिंह सीटेड, एसीसी टिकरिया के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित अधिकारी, उद्यमी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु पूरे जिले में चलेगा बिल रिवीजन का महा अभियान

प्रत्येक खण्ड में 17, 18 एवं 19 जुलाई को लगेंगे मेगा कैम्प

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री की मंशा के अनुरूप बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु गलत बिल को ठीक करने के लिये चलेगा विशेष अभियान, पूरे प्रदेश में मेगा कैम्प लगाये जायेंगे। उक्त कैम्पों का आयोजन प्रदेश के प्रत्येक वितरण खण्ड में 17, 18 एवं 19 जुलाई को होंगे। कैम्पों में नये संयोजन, भार वृद्धि, खराब मीटर, बिल संशोधन, विधा परिवर्तन, बिल जमा करने एवं अन्य सम्बन्धित कार्यों की शिकायत भी प्राप्त कर उपभोक्ता की समस्या का निराकरण किया जायेगा। मुख्य मंत्री एवं मा0 ऊर्जा मंत्री की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन उपभोक्ताओं को सही बिल उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है। कारपोरेशन द्वारा इस सम्बन्ध में कई बार सही बिल निर्गत करने हेतु निर्देश निर्गत किये गये एवं नयी बिलिंग एजेन्सीज को भी आबद्ध किया गया। साथ ही मीटर रीडिंग में व्यवस्था की गयी। जिससे बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के अधिक से अधिक बिल रीडिंग हो सके व गलत बिल रीडिंग को कम किया जा सके। इन समस्त प्रयासों के उपरान्त भी बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों एवं उपभोक्ताओं द्वारा गलत बिल की शिकायत प्राप्त होती रहती हैं। अतः यह निर्णय लिया गया है कि पूरे जिले में बिल रिवीजन हेतु मेगा कैम्प का आयोजन वितरण खण्ड के स्तर पर किया जायेगा। उक्त मेगा कैम्प का व्यापक प्रचार-प्रसार विभिन्न माध्यमों यथा स्थानीय समाचार पत्रों, सोशल मीडिया, एफ.एम. रेडियो, जनप्रतिनिधियों से संवाद, जनसम्पर्क, मुनादी इत्यादि से कराया जायेगा। जिससे अधिक से अधिक उपभोक्ता उक्त का लाभ प्राप्त कर सकें। इस अभियान के सन्दर्भ में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। मेगा कैम्प में प्रत्येक शिकायत का पंजीकरण 1912 हेल्पडेस्क पर सुनिश्चित किया जायेगा एवं शिकायतकर्ता एवं आवेदनकर्ता का सही विवरण अंकित किया जायेगा। बिल रिवीजन हेतु कार्यवाही एक सप्ताह के अन्दर पूर्ण करना सुनिश्चित किया जायेगा। बिल रिवीजन के उपरान्त एक बिल रिवीजन मेमो स्वतः जनरेट होगा, जिसे प्रत्येक उपभोक्ता अपने ऑन लाइन अकाउण्ट में देख सकता है। कैम्पों का आयोजन प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक किया जायेगा। अधिशासी अभियंता (वितरण), उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक अभियंता (मीटर) अपने अधीनस्थों सहित कैंप में उपस्थित रहेंगे तथा उपभोक्ताओं को कोई असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करेंगे। अधिशासी अभियंता (परीक्षण) एवं उच्चाधिकारियों द्वारा आयोजित कैम्पों का भ्रमण कर उक्त अभियान को सफल बनाएंगे। कैम्पों का आयोजन व उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण कराने का उत्तरदायित्व विद्युत वितरण निगम के अधिशाषी अभियंता वितरण को सौंपा गया हैं।

अमेठी को मिली ला कालेज की सौगात

इसी साल से शुरू हो जायेगी पढ़ाई

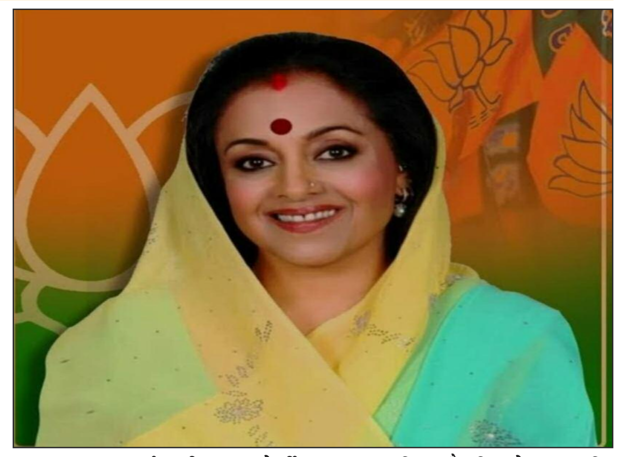

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- राजर्षि रणंजय सिंह ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस (आरआरएसजीआई) अमेठी में इस साल से 3 वर्षीय एलएलबी की पढ़ाई भी शुरू होगी। उ.प्र. सरकार की पूर्व मंत्री डा अमिता सिंह ने बताया कि अमेठी तहसील के रामनगर में राजर्षि रणंजय सिंह कॉलेज आफ लॉ' की स्थापना की जा रही है। जिसमे इस सत्र से त्रिवर्षीय एलएलबी की पढ़ाई शुरू होगी। उन्होंने बताया कि यह सपना राजर्षि रणंजय सिंह 'बुढ़ऊ महाराज' ने देखा था और बुढ़ऊ महाराज द्वारा इस दिशा में आनन्द पाठशाला, श्री रणवीर इंटर कालेज और आरआरपीजी जैसे कालेज की नींव रखी गई थी। उसी सपने को साकार करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ संजय सिंह ने बीटेक एवं एमबीए (आरआरएसआईएमटी), फामेर्सी (आरआरएससीपी), अंग्रेजी माध्यम का स्कूल (आरआरएसजीएस), महिला कॉलेज, कृषि विज्ञान केंद्र, जैसे कई बहुआयामी और आज की जरूरत के हिसाब से संस्थानों की शुरूवात किया है। सिंह ने बताया कि जीएसटी, टैक्स, लिटिगेशन, प्लीडिंग की बढ़ती मांग ने विधि के पेशेवरों की जरूरत बढ़ाई है इसी को देखते हुए अमेठी में ला कालेज की स्थापना की जा रही है।

दिल्ली में यात्रियों की सुविधा के लिए जल्द लागू होगा स्मार्ट कार्ड प्रणाली, अपग्रेड किए जाएंगे सभी आईएसबीटी

नई दिल्लीः दिल्ली सचिवालय में मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में परिवहन विभाग और अंतरराज्यीय बस अड्डों (आईएसबीटी) के विकास को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में राजधानी में सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुगम बनाने के साथ ही सुरक्षित और यात्रियों के अनुकूल बनाने से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई। खासतौर पर आईएसबीटी परिसरों के आधुनिकीकरण और एकीकृत स्मार्ट कार्ड प्रणाली को लागू किए जाने पर विशेष जोर दिया गया। यात्रा का अनुभव होगा स्मार्ट, ट्रैफि क का दबाव कम इन फैसलों से दिल्ली की जनता को न केवल बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि ट्रैफिक दबाव भी कम होगा और यात्रा का अनुभव अधिक सहज और स्मार्ट बनेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिल्ली की जनता को बेहतर और सुरक्षित परिवहन सुविधा मिले, इसके लिए सभी परियोजनाएं तय समयसीमा में पूरी की जाएं। पारदर्शी तरीके से किए जाएंगे सभी काम उन्होंने साफ कहा कि यात्री सुविधाएं और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और सभी कार्य पारदर्शी तरीके से किए जाएं। स्मार्ट कार्ड प्रणाली लागू होने से यात्रियों को बस, मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहन के बीच आसान और कैशलेस सफर की सुविधा मिलेगी। बैठक में कैबिनेट मंत्री पंकज सिंह, परिवहन विभाग और दिल्ली ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (डीटीआईडीसी) के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री मदन चौहान का जन्मदिन केक काटकर धूमधाम से मनाया गया

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री मदन चौहान तीन बार के विधायक का जन्मदिन धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री मदन चौहान ने कहा भाजपा कार्यकर्ता 2027 में होने वाले विधानसभा के चुनावों के लिए तैयार रहें। देश व प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश विश्व में अपना परचम लहरा रहा है। योगी और मोदी की देश और प्रदेश में लहर चल रही है प्रदेश चारों तरफ विकास की तरफ बढ़ रहा है। युवाओं को रोजगार शिक्षा, महिलाओं को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। वह समय दूर नहीं जगदीश व रामराज के राज में विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा। उनके चाहने वालों ने गुलदस्ता का जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। भाजपा नेता आर एस एम सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रबंधक संदीप चौधरी उर्फ नीटू, पूर्व प्रधान बक्सर आरिफ अली, साबिर रझैडा,महेश शर्मा सुरेश कुमार नरेंद्र सिंह तोमर कुशल पाल, कुलदीप सिंह आदि हजारों लोग मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता ने पंखे से लगाई फांसी

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- जनपद के मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सभा सोरांव में मुंशीगंज मुसाफिरखाना मार्ग पर विवाहिता ने बीती रात अज्ञात कारणों से पंखे से लटककर अपनी जीवनलीला समाप्त कर दी। विवाहिता की 6 महीने पहले ही शादी हुई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही करते हुए सारी औपचारिकता पूर्ण की है।

ममूरा में पति को धोखा देने वाली महिला की मौत, प्रेमी ने ही पीट-पीटकर ले ली जान, जानें...

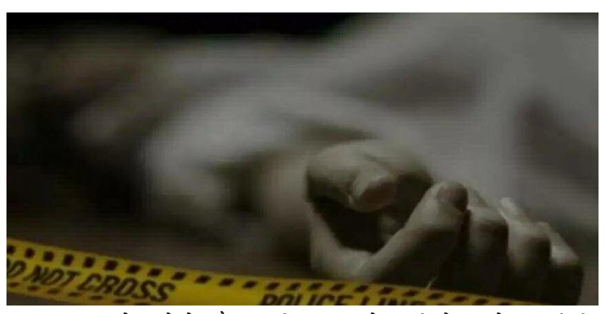

नोएडा। फेज तीन थाना क्षेत्र के ममूरा गांव में रहने वाली एक शादीशुदा महिला सोमवार शाम को अपने प्रेमी के घर पर घायलावस्था में मिली थी। मंगलवार को पीड़िता की मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के पति की दी हुई तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्जकर जांच शुरू कर दी है। तीन साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग बता दें कि मृतक महिला नीरज मूलतः बदांयू के हथनी गुड़गांव की रहने वाली थी। उसका पति सतीश मजदूरी करता है। आरोपित अर्जुन शाहजहांपुर के साहपुर गांव का रहने वाला है। महिला के पांच बच्चे हैं। उसकी शादी 12 साल पहले हुई थी। महिला और आरोपित के बीच करीब तीन साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों की मुलाकात और जान-पहचान ममूरा में रहने के दौरान हुई थी। अर्जुन दसवीं पास है। वह नोएडा सेक्टर 59 की एक फैक्ट्री राधिका एक्सपोर्ट में चार साल से साफ-सफाई का काम करता है। साथ रहने को लेकर झगड़ा हो गया दरअसल, ममूरा गांव में नीरज नाम की महिला परिवार संग रहती थी। उसका अर्जुन नाम के व्यक्ति से प्रेम प्रसंग चल रहा था। नीरज सोमवार शाम को अर्जुन के कमरे पर गई थी। वहां पर दोनों के बीच साथ रहने को लेकर झगड़ा हो गया। इस विवाद में अपना आपा खोने के बाद अर्जुन ने महिला को धक्का दे दिया। इससे महिला जमीन पर गिरकर बेहोश हो गयी थी। गुस्सा शांत होने के बाद अपनी प्रेमिका को घायलावस्था में ही छोड़कर भाग गया। एक कमरे में घायल महिला होने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से महिला को अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। गैर इरादतन हत्या का मुकदमा किया दर्ज एसीपी वर्णिका सिंह ने बताया कि महिला के पति सतीश की शिकायत पर अर्जुन के खिलाफ गैर इरादतन हत्या करने की धारा में फेस थ्री थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं, अर्जुन अब भी फरार बताया जा रहा है। इस संबंध में महिला के पति से अभी कोई बात नहीं हो सकी है। घटना के बाद से इलाके में तरह-तरह की बातें हो रही हैं। पुलिस ने बताया कि इस बारे में जांच की जा रही है। उम्मीद है कि अर्जुन को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

मुख्य आरक्षी को एसपी ने स्टार लगाकर बनाया उपनिरीक्षक

हापुड़ (सब का सपना):- मुख्य आरक्षी के पद से उपनिरीक्षक के पद पर प्रोन्नत हुए थाना बाबूगढ़ पर तैनात मुख्य आरक्षी कृष्णपाल सिंह को पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानजय सिंह व पी आर ओ सुरेश कुमार द्वारा उनके कंधे पर स्टार लगाकर पदोन्नति की बधाई दी गई एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

दिल्ली में बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़, नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली। वसंत विहार थाना पुलिस ने एक नाबालिग सहित दो वाहन चोरों को पकड़ा है। पुलिस ने उनके पास से चोरी की एक बाइक भी बरामद की है। आरोपित की पहचान महिपालपुर निवासी मनोज के रूप में हुई है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। दक्षिणी पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 13 जुलाई को वसंत विहार थाने में एक बाइक चोरी का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की। पुलिस को पता चला कि एक नाबालिग ने मास्टर चाबी की मदद से बाइक चुराई है। पुलिस ने उसकी पहचान कर उसे पकड़ लिया। किशोर ने बताया कि वारदात के समय उसका साथी मनोज भी साथ था। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से चोरी की बाइक भी बरामद कर ली गई।

आज 10 बजे से 5 बजे तक बिजली रहेगी गुल

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- उपखंड अधिकारी प्रथम चंदौसी ने बताया कि सभी विद्युत उपभोक्ताओं को जानकारी दी जाती है कि दिन बुधवार को 33'५ वीसीबी बदलने के कारण विद्युत आपूर्ति प्रातः 10:00 बजे से लेकर शाम 05:00 बजे तक 33/11 के वी उपकेंद्र तहसील चंदौसी की पूरी विद्युत आपूर्ति पुरी तरह बाधित रहेगी। जिससे कि सभी फीडर सीकरी गेट फीडर, बदायूं रोड फीडर, इंडस्ट्रियल फीडर तीनों सुबह 10 से शाम 05 बजे तक बंद रहेंगे।सभी लोग अपना काम सुबह 10 बजे से पहले समय से निपटा लें। असुविधा के लिए खेद है।

एक बार फिर दिल्ली में गाड़ी पार्किंग को लेकर हो गया विवाद, मनबढ़ों ने दनादन दाग दी गोली

पूर्वी दिल्ली। पांडव नगर इलाके में बाइक खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में युवकों ने फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित फरार हो गए। मामले में पांडव नगर थाना पुलिस ने एक नाबालिग समेत चार लोगों को दबोचा है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शशि गार्डन निवासी भुवन उर्फ पोपू, मोहित उर्फ गुच्ची और रोहित उर्फ चिंटू के रूप में हुई है। इनका चौथा साथी 17 वर्षीय नाबालिग है। पुलिस ने इनके पास से पिस्टल बरामद की है। सड़क किनारे खड़ी थी बाइक जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि 11 जुलाई को पांडव नगर क्षेत्र में फायरिंग की सूचना मिली थी। शिकायतकर्ता जितेंद्र उर्फ साहिल ने पुलिस को बताया कि कुछ युवक हरिद्वार जाने की तैयारी में थे। उन्होंने सड़क किनारे बाइक खड़ी की हुई थी। उसको लेकर उन युवकों से विवाद हो गया। इस बीच उन लोगों ने पिस्टल निकालकर गोलियां चला दी। घर पर छापेमारी की तो वे फरार मिले घटना में जितेंद्र, उनका भाई सागर और दोस्त पीयूष गोली से बाल-बाल बचे। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट में केस दर्ज कर लिया। पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। आरोपितों की पहचान पर पुलिस ने उनके घर पर छापेमारी की तो वे फरार मिले। बाद में पुलिस ने उन्हें पांडव नगर क्षेत्र में ही अलग-अलग जगह से गिरफ्तार कर लिया। पिस्टल कहां से खरीदी? आरोपितों ने पुलिस को बताया कि वह कांवड़ लेने जाने के लिए एक जगह जमा हुए थे। वह जिस जगह थे, वहां किसी ने बाइक खड़ी कर दी।

जिगरी दोस्तों ने एक-दूसरे को चाकू घोंपकर ले ली जान, इलाके के चप्पे-चप्पे में तैनात की गई पुलिस

पश्चिमी दिल्ली। एक ही गली में रहने वाले दो दोस्तों की दर्दनाक मौत के बाद इलाके के लोग दहशत में हैं। दोनों पक्षों के लोग अपने-अपने पक्ष के पीड़ित परिवार को बेगुनाह बताते दिखे। दोनों पक्षों के लोगों के अपने अपने तर्क हैं। इससे इलाके में थोड़ा तनाव व्याप्त है। किसी भी अनहोनी की आशंका को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात किया गया। गली में प्रवेश करने वाले अंजान सोमवार की दोपहर जब दोनों के शव पोस्टमार्टम के बाद घर लाए जा रहे थे, तब बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस व सीआरपीएफ के जवान मौके पर तैनात किए गए थे। घटनास्थल के पास एसीपी, इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी मौजूद रहे। जिस गली में संदीप व आरिफ रहते थे, उस गली में केवल गली के लोगों को ही जाने दिया जा रहा था। गली में प्रवेश करने वाले अंजान या किसी संदिग्ध से पुलिस पूछताछ करती रही। लोगों को आशंका थी कि जब दोनों शव एक साथ लाए जाएंगे तब कहीं दोनों पक्षों के बीच तनाव की नौबत न आ जाए। इसे देखते हुए बारी-बारी से दोनों शवों को भेजा गया। पहले संदीप और फिर आरिफ का शव गली में पहुंचा। लोगों को हो रहा आश्चर्य दोस्तों के बीच चाकूबाजी और एक दूसरे की जान लेने की घटना से इलाके के लोग आश्चर्य में हैं। दिनभर लोगों के बीच इसी बात को लेकर चर्चा होती रही कि किस बात को लेकर दोस्तों के बीच विवाद हुआ और बात हत्या तक पहुंच गई।

लेखपाल सुभाष मीड़ा केस में प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को पत्र भेज कर सीबीआई जांच की मांग की गई

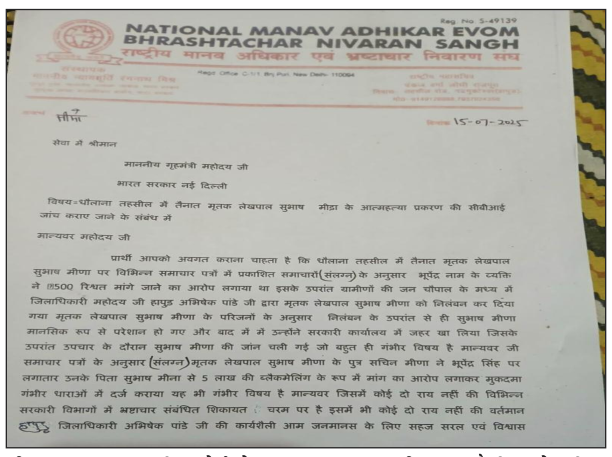

Reg. No. S-49139
NATIONAL MANAV ADHIKAR EVOM BHRASHTACHAR NIVARAN SANGH
राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण संघ
Regd. Office C-1/1, Brij Puri, New Delhi-110094

दिनांक 15-07-2025

सेवा में श्रीमान
माननीय गृहमंत्री महोदय जी
भारत सरकार नई दिल्ली

विषय=धौलाना तहसील में तैनात मृतक लेखपाल सुभाष मीड़ा के आत्महत्या प्रकरण की सीबीआई जांच कराए जाने के संबंध में

मान्यवर महोदय जी

प्रार्थी आपको अवगत कराना चाहता है कि धौलाना तहसील में तैनात मृतक लेखपाल सुभाष मीणा पर विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों(संलग्न) के अनुसार भूपेंद्र नाम के व्यक्ति ने ₹500 रिश्वत मांगे जाने का आरोप लगाया था इसके उपरांत ग्रामीणों की जन चौपाल के मध्य में जिलाधिकारी महोदय जी हापुड़ अभिषेक पांडे जी द्वारा मृतक लेखपाल सुभाष मीणा को निलंबन कर दिया गया मृतक लेखपाल सुभाष मीणा के परिजनों के अनुसार निलंबन के उपरांत से ही सुभाष मीणा मानसिक रूप से परेशान हो गए और बाद में में उन्होंने सरकारी कार्यालय में जहर खा लिया जिसके उपरांत उपचार के दौरान सुभाष मीणा की जान चली गई जो बहुत ही गंभीर विषय है मान्यवर जी समाचार पत्रों के अनुसार (संलग्न) मृतक लेखपाल सुभाष मीणा के पुत्र सचिन मीणा ने भूपेंद्र सिंह पर लगातार उनके पिता सुभाष मीना से 5 लाख की ब्लैकमेलिंग के रूप में मांग का आरोप लगाकर मुकदमा गंभीर धाराओं में दर्ज कराया यह भी गंभीर विषय है मान्यवर जिसमें कोई दो राय नहीं की विभिन्न सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार संबंधित शिकायत चरम पर है इसमें भी कोई दो राय नहीं की वर्तमान जिलाधिकारी अभिषेक पांडे जी की कार्यशैली आम जनमानस के लिए सहज सरल एवं विश्वास

धौलाना/हापुड़ (सब का सपना):- तहसील में तैनात मृतक लेखपाल सुभाष मीड़ा के आत्महत्या प्रकरण की समाज सेवी पंकज लोधी ने प्रधानमंत्री गृह मंत्री मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को पत्र भेज कर सीबीआई जांच की मांग की। राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण संघ के राष्ट्रीय महासचिव पंकज ने पत्र में अवगत कराया कि धौलाना तहसील में तैनात मृतक लेखपाल सुभाष मीणा पर विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों संलग्न के अनुसार भूपेंद्र नाम के व्यक्ति ने 500 रिश्वत मांगे जाने का आरोप लगाया था। इसके उपरांत ग्रामीणों की जन चौपाल के मध्य में जिलाधिकारी हापुड़ अभिषेक पांडे द्वारा मृतक लेखपाल सुभाष मीणा को निलंबन कर दिया गया। मृतक लेखपाल सुभाष मीणा के परिजनों के अनुसार निलंबन के उपरांत से ही सुभाष मीणा मानसिक रूप से परेशान हो गए और बाद में उन्होंने सरकारी कार्यालय में जहर खा लिया। जिसके उपरांत उपचार के दौरान सुभाष मीणा की जान चली गई। जो बहुत ही गंभीर विषय है। पत्र में समाचार पत्रों के अनुसार मृतक लेखपाल सुभाष मीणा के पुत्र सचिन मीणा ने भूपेंद्र सिंह पर लगातार उनके पिता सुभाष मीना से 5 लाख की ब्लैकमेलिंग के रूप में मांग का आरोप लगाकर मुकदमा गंभीर धाराओं में दर्ज कराया यह भी गंभीर विषय है। पत्र में यह भी अवगत कराया कि कोई दो राय नहीं की विभिन्न सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार संबंधित शिकायतें चरम पर है। इसमें भी कोई दो राय नहीं की। वर्तमान जिलाधिकारी अभिषेक पांडे की कार्यशैली आम जनमानस के लिए सहज सरल एवं विश्वास पूर्ण एवं यह भी संभव है कि भूपेंद्र सिंह शिकायतकर्ता के अनुसार मृतक सुभाष मीणा ने 500 की रिश्वत मांगी हो। यह भी संभव है कि मृतक लेखपाल सुभाष मीणा के पुत्र सचिन के अनुसार उनके पिता से 5 लाख की ब्लेक मेलिंग के रूप में भूपेंद्र सिंह द्वारा मांग किया जाना परंतु इसमें कोई संदेह नहीं कि मृतक लेखपाल सुभाष मीणा के आत्महत्या प्रकरण में सरकारी विभाग कर्मचारी अधिकारी आपस में ही आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। सर्वज्ञात है की उक्त प्रकरण से सारे उत्तर प्रदेश में तहसील में कार्य प्रभावित है जो बहुत ही ज्यादा गंभीर विषय है। इसमें भी कोई संदेह नहीं की एक व्यक्ति की जान तो चली ही गई। पत्र में अवगत कराया क्षेत्र की जनता सत्यता जाना चाहती एवं उक्त मृतक लेखपाल सुभाष मीणा के आत्महत्या प्रकरण की सीबीआई जांच करा कर दोषियों को सजा दिला कर जनता में विश्वास पैदा करने की मांग प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, मुख्यमंत्री, मुख्यसचिव से की गई।

केएल राहुल की फॉर्म भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि: पूर्व भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल की फॉर्म मेहमान टीम के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। राहुल ने अब तक इस दौर पर छह पारियों में 375 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर कहा, 'एक विश्लेषक और एक पूर्व क्रिकेटर के तौर पर मुझे सबसे बड़ी संतुष्टि केएल राहुल को देखकर मिली है। उनका खेल हमेशा से ही शानदार रहा है। हां, उनकी तकनीक में कुछ खामियां थीं, लेकिन उन्होंने उन पर काम किया और उन्हें सुलझाया। बस एक कमी निरंतरता की थी। हमारे एक शो में, हमने मजाक में उन्हें 'मिस्टर कंसिस्टेंट केएल राहुल' की उपाधि भी दी थी लेकिन उन्हें यह तमगा हासिल करने में काफी समय लगा।'

पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'उन्होंने अब तक भारत के लिए 50 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं और अब मैं जो देख रहा हूं वह लगभग पूर्णता के करीब है, उनमें कोई भी कमजोरी नजर नहीं आती। किसी विदेशी सीरीज में पहली बार उन्होंने 200 से ज्यादा रन बनाए हैं। मेरे लिए, यह भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

सोमवार को लॉर्ड्स में भारत की 22 रनों से मामूली हार के बाद मांजरेकर ने रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह के बीच नौवें विकेट की साझेदारी पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'रवींद्र जडेजा अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और मजबूती से डिफेंस कर रहे थे, लेकिन ऐसा कभी नहीं लगा कि वह भारत को जीत दिलाने के लिए जरूरी जोखिम उठा रहे हैं। वह इंतजार कर रहे थे और उम्मीद के खिलाफ उम्मीद कर रहे थे। हालांकि उस साझेदारी के असली स्टार जसप्रीत बुमराह थे। वह एक घंटे 40 मिनट तक बेहतरीन तेज गेंदबाजी, बाउंसरों का सामना करते हुए मैदान पर डटे रहे, और यह देखना उल्लेखनीय था कि बल्ले से उनके नेट सत्र का आखिरकार क्या असर हुआ। उनकी गेंदबाजी में जो मानसिक दृढ़ता हम देखते हैं, वह उनकी बल्लेबाजी में भी दिखाई दी और यह वाकई खास था।'

उन्होंने कहा, 'यह देखकर खुशी होती है कि इन दिनों जडेजा अपने डिफेंस पर कितना भरोसा करते हैं। वह अब लंबी पारी खेलते हैं, धैर्य रखते हैं और समय का पूरा ध्यान रखते हैं। पहली पारी में उन्होंने जो 70 रन बनाए, वे कोई तेज तर्रार 70 रन नहीं थे, उन्होंने चार घंटे तक बल्लेबाजी की। और इस पिच पर 50 रन बनाना ऐसा लगा जैसे 50 घंटे बल्लेबाजी की हो। लेकिन अगर आप उस पल को देखें जब जडेजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया, तो लॉर्ड्स की बालकनी से जो नजारा दिख रहे थे, वे ज्यादा सकारात्मक नहीं लग रहे थे।'

मांजरेकर ने जडेजा की दमदार पारी के बारे में कहा, 'ड्रेसिंग रूम की ऊर्जा ने सब कुछ बयां कर दिया, ऐसा लगा जैसे टीम जानती थी कि जीतना बहुत मुश्किल होगा। जडेजा कोशिश कर रहे थे, इसमें कोई शक नहीं, लेकिन पिच, हालात और भारत के रन रेट को देखते हुए, लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल लग रहा था।'

बुमराह की दोनों पारियों में अनुकूलनशीलता और प्रभाव पर विचार करते हुए मांजरेकर ने इस तेज गेंदबाज की महानता की प्रशंसा की जो उनकी विरासत

बन गई है। पूर्व बल्लेबाज ने कहा, 'पहली पारी में, बुमराह ने दिखाया कि वह कितने बेहतरीन गेंदबाज हैं। वह ऐसी पिच थी जहां वह अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे, इसलिए, उन्होंने धैर्यपूर्वक गेंदबाजी की और मौकों का इंतजार किया। और जब मौका आया - पारी के उत्तरार्ध में - तो वह तैयार थे। उन्होंने पहली पारी में एक ऐसी सतह पर 5 विकेट लिए जहां ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी। फिर जब वाशिंगटन सुंदर ने चार अहम विकेट लिए, और भारत को इंग्लैंड को जल्दी समेटना था, बुमराह ने फिर से आगे आकर अच्छा प्रदर्शन किया। ब्रायडन कार्स को आउट करने वाली वो यॉर्कर आज भी जहन में ताजा है। अलग-अलग तरीकों से अपनी महानता दिखाना - यही बुमराह की विरासत बन गई है।'

वैभव सूर्यवंशी की शानदार फॉर्म जारी, इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ टेस्ट में ठोका अर्धशतक

लंदन (एजेंसी)। केंट में चल रहे इंग्लैंड अंडर-19 बनाम भारत अंडर-19 के पहले युवा टेस्ट में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर इंटरनेट पर धूम मचा दी है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 39 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान आयुष म्हात्रे के शतक की बदौलत 540 रन बनाए। हालांकि वैभव सूर्यवंशी पहली पारी में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए और 13 गेंदों में तीन चौकों की मदद से केवल 14 रन ही बना पाए। इस बीच इंग्लैंड ने जवाब में 439 रन बनाए जिससे भारत अंडर-19 को 101 रनों की बढ़त मिल गई। 14 वर्षीय वैभव ने दूसरी पारी में कहर बरपाया और 39 गेंदों में 9 चौकों और एक छक्के की मदद से ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ा। आर्ची वॉन द्वारा बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को आउट करने के बाद सूर्यवंशी आखिरकार पवेलियन लौट गए। बहरहाल, स्टंप्स तक भारत 239 रनों की बढ़त बना चुका है और पहला युवा टेस्ट जीतने की प्रबल संभावना है। 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के लिए यह दौरा यादगार रहा है क्योंकि यह खिलाड़ी इंग्लैंड में हर मैच का पूरा फायदा उठा रहा है। भारत के इस सलामी बल्लेबाज ने 5 पारियों में 355 रन बनाए जिसमें एक शतक और युवा वनडे में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड शामिल है। मौजूदा टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहली पारी में उनके प्रदर्शन के बाद आलोचकों ने सूर्यवंशी की लाल गेंद की फॉर्म पर सवाल उठाए थे, लेकिन 14 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरी पारी में अर्धशतक जड़कर संदेहों को शांत कर दिया, जिससे इस युवा खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ा। सूर्यवंशी ने सिर्फ बल्ले से बल्कि गेंद से भी धूम मचा रहे हैं। गौरतलब है कि 14 वर्षीय इस गेंदबाज ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम के कप्तान हमजा शेख का अहम विकेट लेकर इतिहास रच दिया। वह युवा टेस्ट इतिहास में विकेट लेने वाले सबसे कम उम्र के गेंदबाज बन गए। इस बाएं हाथ के गेंदबाज ने 13 ओवर फेंके और अपनी बाएं हाथ की स्पिन से 2 विकेट लिए। इस विकेट ने मनीषी का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

स्टार्क ने 100 वें टेस्ट में बनाये कई रिकार्ड

हैदराबाद (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने अपने 100 वें टेस्ट मैच में 400 विकेट पूरे करने के साथ ही कई नये रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं। मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ इस मैच में घातक गेंदबाजी करते हुए 7.3 ओवरों में केवल नौ रन देकर छह विकेट लिए। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टेस्ट के साथ ही सीरीज भी जीत ली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अपने स्पेल की पहली गेंद पर मेजबान टीम के जॉन कैंबल को आउट कर दिया। इसी ओवर में उन्होंने केवलोन एंडरसन और ब्रेंडन किंग को भी चलता किया। फिर अपने तीसरे ओवर में स्टार्क ने मिकेल लुईस और शाई होप को आउट करके इतिहास रच दिया। मिकेल लुईस टेस्ट में स्टार्क के 400वें शिकार बने। यह उपलब्धि उन्होंने अपने 100वें टेस्ट में हासिल की। वो टेस्ट इतिहास में 400 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के चौथे और तीसरे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बने हैं। स्टार्क ने अपने घातक स्पेल से विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित किया। स्टार्क सबसे कम गेंदों में एक पारी में पांच विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने केवल 15 गेंदों में पांच विकेट लिए। इससे पहले यह रिकॉर्ड संयुक्त रूप से तीन गेंदबाजों एर्नी तोषाक, स्टुअर्ट ब्रॉड और स्कॉट बोलैंड के नाम था जिन्होंने 19 गेंदों में पांच विकेट लिए थे।

शेफाली की टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी, इंग्लैंड के खिलाफ 158.56 के स्ट्राइक रेट से बनाए थे रन

दुबई (एजेंसी)। भारत की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रही। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 158.56 के स्ट्राइक रेट से 176 रन बनाने वाली शेफाली इस रैंकिंग में 655 अंकों के साथ चार स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गयी है।

उप-कप्तान स्मृति मंधाना तीसरे नंबर के साथ इस सूची में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी है। मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान नीचे 14वें स्थान पर खिसक गई। भारत की ऐतिहासिक 3-2 से श्रृंखला जीत में अहम योगदान देने वाली अरुंधति रेड्डी गेंदबाजी रैंकिंग में चार स्थान की सुधार के साथ 39वें स्थान पर और हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में 26 स्थान की छलांग लगाकर 80वें स्थान पर पहुंच गई।

अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा को गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह तीसरे पायदान पर खिसक गयी है। राधा यादव तीन पायदान के सुधार के साथ रैंकिंग में 15वें स्थान पर है। इस रैंकिंग में श्रृंखला गंवाने वाली इंग्लैंड की टीम के कई खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा हुआ है। श्रृंखला के आखिरी मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच% का पुरस्कार हासिल करने वाली स्पिनर चार्ली डीन रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रही। वह आठ स्थान के सुधार के साथ तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई।

लिसे स्मिथ 9 पायदान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गई जबकि तेज गेंदबाज इस्सी वोंग सात स्थान के सुधार के साथ 50वीं रैंकिंग हासिल करने में सफल रही। एमिली अर्लट 15 स्थान के सुधार के साथ 67वें

स्थान पर पहुंच गई। श्रृंखला में 151 रन के साथ इंग्लैंड की शीर्ष स्कोरर सोफिया डंकले बल्लेबाजी रैंकिंग में सात अंक हासिल कर 19वें स्थान पर पहुंच गई। टैमी ब्यूमोंट 19 स्थान की छलांग के साथ 45 वें स्थान पर पहुंच गई।

अपनी निजी निजी ज़िंदगी को लेकर चर्चाओं में रही हैं साइना और सानिया

नई दिल्ली । टेनिस स्टार साइना मिर्जा और बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल दोनों ही अपने–अपने क्षेत्र की दिग्गज खिलाड़ी हैं पर कई लोग इन दोनो के मिलते जुलते नामों के कारण संशय में आ जाते हैं। जहां साइना बैंडमिंटन खिलाड़ी हैं, वहीं सानिया टेनिस खिलाड़ी है के तौर पर जानी जाती हैं। सानिया ने फरवरी 2023 में दुबई टेनिस चैंपियनशिप के बाद पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया था। सानिया मिर्जा का जन्म मुंबई में हुआ था पर वे पली–बढ़ी हैदराबाद में थीं, जबकि साइना नेहवाल हरियाणा की रहने वाली हैं। ये दोनो ही अपनी निजी ज़िंदगी को लेकर भी चर्चाओं में रही है। हरियाणा के हिसार की साइना नेहवाल ने हैदराबाद के सेंट ऐनी कॉलेज, मेहदीपट्टनम से 10वीं पास की थी। बैडमिंटन में व्यस्तता के कारण वह कॉलेज की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाई थीं। साइना ने कई अंतरराष्ट्रीय खिताब जीते और भारत को बैडमिंटन में ग्लोबल पहचान दिलाई। वहीं दसूरी ओर हैदराबाद से स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद सानिया ने सेंट मैरी कॉलेज, हैदराबाद से ग्रेजुएशन किया। साल 2008 में उन्हें चेन्नई के एमजीआर शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान से डीलिट की मानद उपाधि भी मिली.

गांगुली से प्रेरित थे आर्चर : स्टोक्स

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि तीसरे टेस्ट से वापसी करने वाले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली द्वारा लाड्र्स की बालकनी में शर्ट लहराने की घटना से प्रभावित थे। गांगुली ने साल 2002 में नेटवेस्ट ट्रॉफी में जीत के बाद जश्न के दौरान अपनी शर्ट लहरा दी थी। स्टोक्स ने कहा कि आर्चर इससे काफी प्रेरित थे और इसी कारण चार साल बाद भी वापसी के दौरान उनका प्रदर्शन ठीक रहा। आर्चर ने तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर के विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। स्टोक्स ने 22 रनों से मिली जीत के बाद कहा, ' मैंने आज सुबह उससे कहा, तुम्हें पता है कि आज क्या है। पता है ना। उसने मुझसे कहा, तुम्हें पता है कि उस दिन भारत ने 300 से अधिक रन बनाकर जीत हासिल की थी और गांगुली ने शर्ट लहराई थी। उसे लग रहा था कि वह विश्व कप फाइनल था और इस घटना को आज छह साल हो गए हैं। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में अपनी जीत उसी दिन दर्ज की जिस दिन उसने 2019 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में स्कोर बराबर रहने के बाद अधिक बाउंड्री के आधार पर न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत हासिल की थी।

क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगी

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को क्रिकेटर यश दयाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए यौन शोषण के आरोप में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट की पीठ ने इस क्रिकेटर की उस याचिका पर यह आदेश पारित किया जिसमें उन्होंने मामले में

अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने और प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध किया था। इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अदालत ने यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है। इससे पहले एक युवती ने इस क्रिकेटर के खिलाफ शारीरिक ओर मानसिक शोषण के मामले में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। इसमें कहा गया था कि इस क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया। इस युवती के अनुसार वह इस क्रिकेटर के साथ पांच साल से रिलेशनशिप में थी और इस दौरान उसने शादी का वादा किया था पर बाद में उसने धोखेबाजी कर दी। गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम थाना में शिकायत दर्ज की गई थी जिसमें इसयुवती ने यश दयाल पर यौन शोषण का भी आरोप लगाया था। इस युवती ने यह भी दावा किया है कि क्रिकेटर यश दयाल शादी करने का उसका प्रस्ताव टालता रहा और अंत में उसे पता चला कि यश दयाल का अन्य महिलाओं के साथ भी संबंध है। इस मामले की शिकायत पहले उसने मुख्यमंत्री के ऑनलाइन शिकायत निपटान पोर्टल पर की थी।

शुभमन फैसला करें कोहली या धोनी किसकी तरह खेलेंगे: मांजरेकर

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को ये तय करना होगा कि वह विराट कोहली की तरह आक्रामक बनना चाहेंगे या महेन्द्र सिंह धोनी जैसे शांत स्वभाव वाले क्रिकेटर। उन्हें ये देखना होगा कि वह किसमें बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं आक्रामक अंदाज में या शांत होकर। मांजरेकर के अनुसार स्वाभाव का बल्लेबाजी पर भी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि दूसरी पारी में शुभमन के आउट होने के पीछ मैच में हुआ विवाद भी एक कारण रहा। इसी कारण उनका मन एकाग्र नहीं था। इसी कारण शुरुआती दो मैचों में एक दोहरे शतक सहित 3 शतक लगाने

वाले शुभमन लॉर्ड्स में बल्लेबाजी में विफल रहे। दूसरी पारी में तो वह सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 9 गेंदों का सामना किया। इसमें 6 बार तो उन्होंने जिस तरह से गेंदों को खेला, उससे लगा कि वह खुद ही तय नहीं थे कि गेंद कैसी आ रही है और वह उसे खेलना किधर है। अंत में ब्राइडन कार्स की गेंद पर वह एलबीडबल्यू हुए।

मांजरेकर ने कहा कि उनके संशय में होने का कारण कहीं न कहीं एक दिन पहले मैदान पर दोनों टीमों के बीच हुआ विवाद भी रहा। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'शुभमन अचानक ही अनिश्चित से दिखने लगे और इसके इंग्लैंड की तरफ से खराब रुख राह जिसके कारण विवाद पैदा हुआ था। ' मांजरेकर ने इस क्रिकेटर के टेंपरामेंट की तुलना विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी से करते हुए कहा कि विराट गुस्से में और बेहतर प्रदर्शन करते थे वहीं धोनी इससे अलग थे। ऐसे में अब शुभमन को फैसला करना ही होगा कि एक बल्लेबाज के तौर पर वह क्या चाहते हैं और किस प्रकार से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

जालंधर ः जाने–माने मैराथन धावक फौजा सिंह की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक घातक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह हादसा दोपहर में जालंधर के पास फौजा के गृहग्राम ब्यास पिंड में हुआ। वह 114 वर्ष के थे। उनकी मौत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख प्रगट किया है। जानकारी के अनुसार 14 जुलाई दोपहर करीब 3ः30 बजे सड़क पार करते समय सिंह को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाद में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें प्यार से 'टर्बन्ड टॉरनेडो' कहा जाता था और उनका जन्म 1 अप्रैल, 1911 को जालंधर में हुआ था। फौजा ने 89 वर्ष की आयु में मैराथन दौड़ना शुरू करके वैश्विक ख्याति प्राप्त की। उन्होंने 100 वर्ष की आयु में 2011 टोरंटो वाटरफ्रंट

मैराथन पूरी करके पूर्ण मैराथन पूरी करने वाले सबसे वृद्ध व्यक्ति होने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कई आयु–वर्ग के रिकॉर्ड तोड़े और 101 वर्ष की आयु तक प्रतिस्पर्धात्मक रूप से दौड़ते रहे।

पीएम मोदी ने जताया दुख – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फौजा सिंह की मौत पर एक्स पर लिखा, 'फौजा सिंह जी अपने अद्वितीय व्यक्तित्व और फिटनेस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भारत के युवाओं को प्रेरित करने के अपने तरीके के कारण असाधारण थे। वह अविश्वसनीय दृढ़ संकल्प वाले एक असाधारण एथलीट थे। उनके निधन से दु ःख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दुनिया भर में उनके अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।'

रेसलर ऑर्टन निभाना चाहते हैं बैटमैन की भूमिका

सेन डियागो (एजेंसी)। डब्लयूडब्यूई के कई स्टार सुपरहीरो बने हैं। उसी में अब डब्लयूडब्यू ई स्टार रैंडी ऑर्टन का नाम भी जुड़ने जा रहा है। ऑर्टन अब जेम्स गन की जगह पर डीसीयू में बैटमैन की भूमिका निभाते दिखेंगे। ऑर्टन ने सोशल मीडिया पर कहा है कि वह बैटमैन की भूमिका निभाने तैयार हैं। जिसमें द रॉक ब्लैक एडम बने और जॉन सीना पीसमेकर बने हैं। डेव बाटिस्टा गार्डियन ऑफ गैलेक्सी में ड्रेक्स की भूमिका में दिखेंगे। ऑर्टन आमतौर पर विलेन की भूमिका निभाते हैं। उनकी भूमिका बैटमैन से काफी मिलती है। उनकी आवाज और

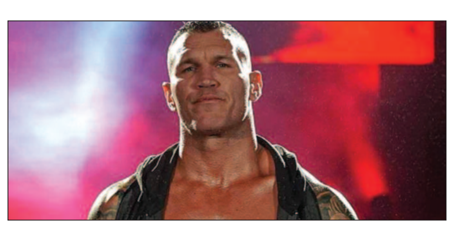

पर्सनालिटी भी बैटमैन की भूमिका के अनुरुप है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में पूछा गया था, आपके हिसाब से जेम्ल गन की डीसीयू में बैटमैन की भूमिका किसे निभानी चाहिये? इसके जवाब में ऑर्टन ने कहा कि वे इस भूमिका के लिए तैयार हैं। डब्लयूडब्यू के कई स्टार्स पहले भी सुपरहीरो की दुनिया में जा चुके हैं। रैंडी ऑर्टन इसमें भी अंधेरे में रहकर काम करते हैं। ऑर्टन की आवाज प्रभावशाली है। उनकी पर्सनालिटी भी अच्छी है। इसलिए प्रशंसक रैंडी को बैटमैन की भूमिका में पसंद कर सकते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या रैंडी ऑर्टन को बैटमैन का रोल मिलता है या नहीं। अगर उन्हें यह भूमिका मिलती है तो वह डब्ल्यूडब्यलूई के एक और स्टार होंगे।

पीसीबी में करोड़ों के घोटाले का खुलासा हुआ

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में विवाद कोई नई बात नहीं है। वहीं इसमें अब एक और नया मामला जुड़ गया है। एक ऑडिट रिपोर्ट में बढ़े वित्तीय घोटाले की बात सामने आयी है। इसमें खुलासा हुआ है कि 2023 के दौरान करोड़ों रुपयों का घोटाला हुआ। इसके अलावा कई अनधिकृत नियुक्तियां हुई और जरूरत से ज्यादा भुगतान किये गये। पुलिस के भोजन, कोच और मैच अधिकारियों को दी गयी रकम में भी हैराफेरी हुई। इसके अलावा टिकट अनुबंधों में भी सही बोली नहीं लगाई गई। इस रिपोर्ट के बाद पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। वह भी इसकी जांच के घेरे में हैं। इसके अलावा 2023 में पीसीबी के चेयरमैन रहे अशरफ भी संदे के घेरे में आ गये हैं। पथे। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य तौर पर अंतरराष्ट्रीय मैचों की सुरक्षा ड्यूटी के दौरान भोजन उपलब्ध कराने के लिए पुलिस को दिए गए 63.39 मिलियन पाकिस्तानी रुपये में हेराफेरी हुई। रिपोर्ट में कराची हाई परफॉर्मेंस सेंटर में तीन अंडर–16 कोचों की अवैध वनियुक्ति की भी बातें कही गयी हैं। है। इसमें 5.4 मिलियन रुपये का वेतन भुगतान किया गया है जो तय सीमा से कहीं अधिक है।

बशीर के खिलाफ जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेल सकते थे जडेजा : कुंबले

लंदन (एजेंसी)। नई दिल्ली ः भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा को स्पिनर शोएब बशीर के खिलाफ मोहम्मद सिराज को स्ट्राइक देने की जगह खुद जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेलना चाहिए था।

जडेजा के साथ पुछल्ले बल्लेबाजों के संघर्ष से भारत मैच में वापसी करने में काफी हद तक सफल रहा लेकिन उसे 22 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा। कुंबले को इस मैच ने चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट की याद दिला दी जिसमें सचिन तेंदुलकर ने पीठ दर्द के बावजूद 136 रन की पारी खेली लेकिन भारतीय टीम को 12 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में ऑफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक द्वारा जवागल श्रीनाथ का आउट होना सोमवार को सिराज के स्टंप्स की गिल्लियों को गिराने वाली गेंद के समान था।

चेन्नई में जनवरी 1999 में खेले गये उस टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा रहे कुंबले ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा, 'मुझे इस मैच को देखकर चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया टेस्ट मैच याद आ गया, जिसमें हम 12 रन से हार गए थे। (सिराज का आउट होना) कुछ वैसा ही था। टीम लक्ष्य से सिर्फ 22 रन दूर थी। जडेजा एक छोर पर बस खड़े रहे। मेरा मतलब है, वह भारत को जीत के इतने करीब लाने की योजना में सफल रहे लेकिन इंग्लैंड ने कोई ढिलाई नहीं बरती।'

जडेजा ज्यादातर ओवर की चौथी या पांचवीं गेंद पर एक रन चुरा रहे थे, लेकिन कुंबले का मानना है कि उन्हें कम गति के गेंदबाजों के खिलाफ जोखिम उठाना चाहिए था। कुंबले ने कहा, 'उन्हें उन गेंदबाजों का चयन करना चाहिए थे जिसके खिलाफ वह आक्रामक रूख अपना सकते थे। क्रिस वोक्स , जो रूट और बशीर ऐसे गेंदबाज थे। बशीर और रूट भले ही ऑफ स्पिनर है लेकिन उनकी गेंद बहुत ज्यादा टर्न नहीं ले रही थी।'

उन्होंने कहा, 'अगर किसी को जोखिम उठाना था तो वह जडेजा ही थे जिन्हें ऐसा करना चाहिए था। उन्होंने बुमराह और सिराज के साथ बल्लेबाजी के दौरान अपने पास ज्यादा स्ट्राइक रखकर अच्छा काम किया लेकिन सिराज को बशीर का पूरा ओवर खेलने के लिए देना जोखिम भरा था। उन्हें इसकी जगह खुद ही आक्रामक रुख अपनाना चाहिए थे।' कुंबले ने जडेजा की नाबाद 61 रन की जुझारू पारी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को 170 रन पहुंचा कर लगभग चमत्कार कर दिया था।

कुंबले ने कहा, 'वह पूरे समय बेहतरीन रहे। वह दिन के छठे ओवर में ही बल्लेबाजी के लिए आ गए थे और आखिर तक नाबाद रहे। बुमराह और सिराज के साथ 82 पर 7 विकेट गिरने के बाद स्कोर को दोगुना करना अविश्वसनीय है।' उन्होंने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी देखकर टीम के अन्य बल्लेबाज खुद के प्रदर्शन से निराश होंगे। भारत को दोनों पारियों में लगभग 65 अतिरिक्त रन देना भी भारी पड़ा। यह चर्चा का एक बड़ा विषय होगा।'

कुंबले ने कहा कि जोफ्रा आर्चर की गेंद कंधे पर लगने से सिराज थोड़े असहज हो गए और उनका ध्यान थोड़ा भंग हो गया। उन्होंने कहा, 'सिराज की गेंदबाजों पर हावी होने की कोई योजना नहीं थी लेकिन उनके आस-पास क्षेत्ररक्षकों के जमावड़े से वह थोड़े दबाव में आ गये। मुझे लगा कि यह एक ऐतिहासिक जीत हासिल करने का शानदार मौका था।' कुंबले ने लॉर्ड्स टेस्ट को 'टेस्ट क्रिकेट का शानदार प्रचार' करार दिया। उन्होंने आगे कहा, 'तीनों टेस्ट मैच बेहद रोमांचक रहे और दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम श्रृंखला में 2-1 से आगे है लेकिन अगर आप हर सत्र के प्रदर्शन को देखें तो यह बराबरी मुकाबला रहा है।'

जडेजा 7,000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल

लंदन । ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भले ही लॉड्र्स में अपनी नाबाद 61 रनों की पारी से भारतीय टीम को जीत नहीं दिला पाये पर इस मैच में उन्होंने एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली। जडेजा 7,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये। इसमें अब तक ऋषभ पंत, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और मंसूर अली खान पटौदी जैसे खिलाड़ी शामिल थे। इस अनुभवी ऑलराउंडर ने अपने 7,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए। 361 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 302 पारियों में पूरे किये। इस दौरान उन्होंने चार शतक और 39 अर्द्धशतक लगाये। उन्होंने 33.41 के औसत से 7,018 रन बनाए हैं और इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रनों का रहा। 83 टेस्ट मैचों में उन्होंने 36.97 की औसत से 3,697 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और 26 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रन रहा है। इस श्रृंखला के दौरान तीन मैचों में उन्होंने छह पारियों में 109.00 की औसत से 327 रन बनाए हैं जिसमें चार अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 89 है। वह अब तक सीरीज में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

हिंदी फिल्में बस पैसों पर टिकीं, संजय दत्त को अब साउथ सिनेमा में दिलचस्पी

शिल्पा शेट्टी और ध्रुव सरजा गुरुवार को मुंबई में अपनी आगामी कन्नड़ फिल्म केडी–द डेविल का टीजर लॉन्च करने के लिए एक इवेंट में शामिल हुए। वहां प्रेस से बात करते हुए संजय दत्त ने खुलकर बताया कि वह बॉलीवुड की बजाय साउथ की फिल्में ज्यादा क्यों चुन रहे हैं और कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में अब जुनून की कमी है। संजय दत्त से पूछा गया कि टॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब उन्हें क्या अलग लगता है, तो उन्होंने कहा कि वो जुनून खत्म हो गया है। बॉलीवुड में अब जुनून की कमी है। उन्होंने कहा, मैं टॉलीवुड से वह जुनून वापस लेना चाहता हूं जो बॉलीवुड ने खो दिया है। और मुझे उम्मीद है कि यह वापस आएगा। यही वह चीज है जिसकी मुझे अपने देश में कमी खलती है, एक अच्छी फिल्म बनाने का जुनून। उन्होंने आगे कहा, जानते हैं, यह नंबर्स के बारे में नहीं है। बॉलीवुड में सब कुछ पैसे के बारे में है। लेकिन यह पैसों के बारे में नहीं होना चाहिए, बल्कि जुनून के बारे में होना चाहिए। संजय दत्त ने इस इवेंट में फिल्म द राजा साब में प्रभास के साथ काम करने के बारे में भी बात की और बताया कि प्रभास ने उन्हें कितना खिलाया है। एक्टर ने कहा, जानते हैं, मैं तेलुगू सीखने की कोशिश कर रहा हूं क्योंकि मैं प्रभास के साथ एक फिल्म कर रहा हूं। मैं द राजा साब नाम की एक फिल्म कर रहा हूं। प्रभास मुझे खूब खिलाते हैं। वह सबसे अद्भुत, बेहतरीन लोगों में से एक और एक बेहतरीन अभिनेता हैं।
बिना किसी के कहे, उन्होंने कहा कि उन्हें चिरंजीवी से प्यार है और बोले, और मुझे चिरंजीवी सर बहुत पसंद हैं। उन्होंने यहां मुन्ना भाई जैसी फिल्में की हैं। मेरा उनके साथ एक खूबसूरत रिश्ता है। भगवान उनका भला करे। बात करते हुए संजय ने नागार्जुन को बहुत करीबी दोस्त, भाई जैसा बताया और राम पोथिनेनी, जिनके साथ उन्होंने डबल आईस्मार्ट (2024) में काम किया था, उनको शानदार कहा।

मधुर भंडारकर की फिल्म द वाइव्स में मौनी रॉय की एंट्री हुई कन्फर्म

मौनी रॉय अपनी उपलब्धियों के साथ वैश्विक स्तर पर प्रगति कर रही हैं, जिसने उन्हें एक बहुमुखी प्रतिभा के रूप में स्थापित किया है, जिसे नज़रअंदाज़ करना असंभव है। हाल ही में मौनी ने सोशल मीडिया पर मेकअप रूम से एक खूबसूरत तस्वीर साझा की, जिसके बाद फैंस कयास लगाने लगे कि उनका अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। अब उन्होंने खुद पुष्टि कर दी है कि उनकी अगली फिल्म मधुर भंडारकर की आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' है। इस फिल्म में मौनी रॉय के साथ सोनाली कुलकर्णी, रेजिना कैसंड्रा, अर्जन बाजवा, सौरभ सचदेवा, राहुल भट्ट और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार नजर आएंगे। अपनी कास्टिंग की पुष्टि करते हुए, मौनी ने भी फिल्म निर्माता और क्लैपबोर्ड के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, इस नई फिल्म का पहला दिन, जिसके लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। इस मास्टर फिल्ममेकर मधुर भंडारकर के साथ काम करने का अवसर पाकर आभारी हूं। 'द वाइव्स' में मधुर भंडारकर एक बार फिर अपने अनोखे और निर्भीक फिल्म निर्माण के अंदाज़ में जटिल और संवेदनशील विषय को छूने जा रहे हैं। इस बार, बॉलीवुड की पत्नियों की असल ज़िंदगी पर ध्यान केंद्रित किया गया है, और यह दिखाया गया है कि जब वे चकाचौंध, पैपराज़ी, रेड कार्पेट और हाई–प्रोफाइल पार्टियों से दूर होती हैं, तो क्या होता है। 'फैशन' में फैशन इंडस्ट्री के पीछे की सच्चाई दिखाने के बाद, और 'हिरोइन' में शोहरत की उथल–पुथल भरी दुनिया को सामने लाने के बाद, मधुर भंडारकर अब 'द वाइव्स' के ज़रिए अपनी फिल्म निर्माण की ऊँचाईयों को और ऊपर ले जा रहे हैं। मौनी रॉय के लिए, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक के साथ यह सहयोग उनकी पिछली व्यावसायिक फिल्मों की तुलना में उनकी नाटकीय क्षमता को और अधिक विविध तरीकों से प्रदर्शित करेगा, जो उन्हें भारतीय सिनेमा की बहुमुखी कलाकारों में से एक के रूप में स्थापित करेगा। बिना किसी गॉडफादर की मदद के, टेलीविजन से मुख्यधारा के सिनेमा में उनके सराहनीय परिवर्तन को देखते हुए, द वाइव्स में उनका शामिल होना उनके उभरते करियर में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सैयारा को लेकर उत्साहित संदीप रेड्डी

फिल्म सैयारा इसी महीने रिलीज को तैयार है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी और मोहित सूरी निर्देशित इस फिल्म से दो नए सितारे इंडस्ट्री को मिलने वाले हैं। चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे और अनीत पड्डा उनके अपोजिट नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

फिल्म देखने के लिए बेकरार

संदीप रेड्डी वांगा ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर फिल्म सैयारा का ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा है, पूरी तरह से रोमांस और ड्रामा पर केंद्रित एक हिंदी हार्टलैंड की लव स्टोरी देखने को मिल रही है। इसे पहले दिन देखने का बेसब्री से इंतजार है। नए कलाकारों को शुभकामनाएं। यह पूरी तरह से मोहित सूरी का जादू है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

हाल ही में फिल्म सैयारा का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे दर्शकों से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। यह लव स्टोरी फिल्म है। ट्रेलर में रोमांस, म्यूजिक और इमोशंस से भरी कहानी में एक कपल को दिखाया गया है, जो एक–दूसरे से प्यार तो बेशुमार करते हैं, लेकिन हालात उन्हें दूर कर देते हैं। बता दें कि यह फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

नेटिजन्स ने मांगा स्पिरिट पर अपडेट

रणबीर कपूर अभिनीत एनिमल फेम डायरेक्टर संदीप रेड्डी वंगा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी आगामी फिल्म है स्पिरिट। इसमें एक्टर प्रभास लीड रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा तृप्ति डिमरी भी फिल्म का हिस्सा हैं। संदीप रेड्डी वांगा के पोस्ट पर नेटिजन्स रिएक्ट कर रहे हैं और लिख रहे हैं, इस फिल्म को हम भी देखेंगे। लेकिन, हमें स्पिरिट का बेसब्री से इंतजार है। एक अन्य यूजर ने लिखा है, अन्ना स्पिरिट पर अपडेट दो।

प्यार को ज्यादा गंभीरता से लें, तो यह 'मुश्किल' हो जाता है

अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया के रोमांटिक–कॉमेडी टीवी शो 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' की कहानी को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेता ने बताया कि प्यार तभी मुश्किल लगता है, जब आप इसे बहुत गंभीरता से लेने लगते हैं या उससे बहुत ज्यादा उम्मीदें रखने लगते हैं। शब्बीर ने प्यार के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर इसे बहुत गंभीरता से लिया जाए, तो यह मुश्किल हो सकता है। सीरियल 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' के संदर्भ में शब्बीर ने कहा, प्यार तभी मुश्किल लगता है, जब आप इसे बहुत गंभीरता से लेते हैं या उससे बहुत ज्यादा उम्मीदें रखते हैं। प्यार तो अपने आप खिलता है। अगर आप इसे स्वाभाविक रूप से होने दें, तो यह बहुत खूबसूरत है। शब्बीर ने शो में अपने किरदार युग और उसकी ऑन–स्क्रीन प्रेमिका कैरी के प्यार पर बात की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, कैरी के लिए प्यार ज्यादा मुश्किल नहीं है, लेकिन युग को प्यार करना? ओह, अगर मैं कैरी होता, तो शायद ऐसा नहीं करता! शब्बीर ने साल 1999 में 'हिप हिप हुर्रे' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'क्या हादसा क्या हकीकत', 'कहीं तो मिलेंगे', 'काव्यांजलि', 'कसम से', 'कसौटी जिंदगी की', 'लागी तुझसे लगन' और 'कयामत' जैसे सीरियलों में उनके किरदारों ने दर्शकों का दिल जीता। उनके किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। जब शब्बीर से पूछा गया कि क्या सोनी सब के 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' में उनका किरदार युग भी पुराने अन्य किरदारों की तरह जादू चला पाएगा, इस पर शब्बीर ने कहा, मुझे उम्मीद है। युग एक ऐसा किरदार है जो आम नहीं है। वह जिंदगी के प्रति नकारात्मक और ज्यादा खुला हुआ नहीं है। पहली नजर में वह आकर्षक नहीं लगता, लेकिन यही उसकी खूबी है। अगर मैं दर्शकों को युग से प्यार करने के लिए मना सकूं, तो यह मेरे लिए बड़ी बात होगी। यह मेरा अब तक का सबसे प्यारा और गहरा किरदार है।

सन ऑफ सरदार 2 का हिस्सा बनना सपने से कम नहीं है

कूब्रा सैत के लिए सोन ऑफ सरदार 2 का ट्रेलर लॉन्च सिर्फ एक और ग्लैमरस इवेंट नहीं था, बल्कि उनके करियर का एक बेहद खास और पर्सनल माइलस्टोन था। दमदार परफॉर्मेंस और बेबाक किरदारों से अपनी अलग पहचान बना चुकीं कूब्रा पहली बार किसी बड़ी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च का हिस्सा बनीं। इस पल को लेकर उन्होंने कहा ये मेरे लिए वाकई बहुत खास है। ये मेरा पहला बड़ा ट्रेलर लॉन्च इवेंट है और इतनी बड़ी फिल्म और शानदार टीम का हिस्सा बनना किसी सपने से कम नहीं है। फिल्म में मेहविश का किरदार निभा रहीं कूब्रा इवेंट में ढोल की बीट्स पर डांस करते हुए एंट्री करती दिखीं—जिससे फिल्म की एनर्जी साफ झलक रही थी। वह अपने बोल्ड लेकिन ग्रेसफुल लुक में काफी खूबसूरत नजर आईं और पूरे कॉन्फिडेंस के साथ यह पल जिया। फ्रेंचाइज़ी की यादों को ताज़ा करते हुए उन्होंने कहा- सोन ऑफ सरदार को रिलीज़ हुए 12 साल हो गए हैं। मैंने भी इसे बाकी लोगों की तरह सिनेमाघर में देखा था। उस वक़्त जो दीवानगी थी, वो अलग ही लेवल की थी। अब जब मैं इसके दूसरे भाग का हिस्सा हूं, तो ये मेरे लिए एक पूरा सर्कल पूरा होने जैसा है। सेट पर बने रिश्तों को लेकर कूब्रा ने कहा- मुझे रोशनी, अश्विनी मैम, शरद सर, चंकी सर और कई और कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। मृणाल (थाकुर) और अजय सर के साथ स्क्रीन शेयर करना भी बेहद खास रहा। हम साथ में खाते थे, खूब हँसी–मजाक करते थे और ढेर सारी यादें बनाई हैं। अजय देवगन के साथ काम करने को लेकर उन्होंने दिल से कहा- वो एक लीजेंड हैं। लेकिन जो चीज़ उन्हें और खास बनाती है, वो है उनका लोगों को एक साथ लाना। उन्होंने अपने अनुभव को खुले दिल से शेयर किया, जो मेरे लिए बहुत इंस्पायरिंग रहा। भावनाओं से भरे पलों से लेकर दमदार एक्शन तक, सोन ऑफ सरदार 2 एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव देने का वादा करती है—और कूब्रा सैत के लिए यह उनकी मेनस्ट्रीम फिल्मी सफर की एक नई और खास शुरुआत है।

खुशी कपूर के साथ रिश्ते पर वेदांग रैना ने की बात

वेदांग रैना ने खुशी कपूर के साथ जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज में साथ में काम किया है। तब से ही दोनों एक दूसरे के करीब हैं। दोनों में अच्छी बनती है। कयास लगाए जाते हैं कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं और रिश्ते में हैं। हालांकि दोनों ने ना तो अपने रिश्ते के बारे में कुछ कहा है और ना ही अफवाहों से इंकार किया है। हालांकि अब वेदांग ने खुशी कपूर के साथ खास रिश्ते पर बात की है।

बातचीत में वेदांग रैना ने खुशी कपूर के साथ अपने रिश्ते पर बात रखी। वह एक फैशन ब्रांड के साथ काम करने वाले हैं। वेदांग ने बताया कि खुशी के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहा है।

वेदांग ने खुशी के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा खुशी के साथ काम करना बहुत मजेदार और अच्छा रहा। हमारे बीच स्वाभाविक सहजता है। हमारा रिश्ता सहज और सच्चा है, यह रिश्ता नए प्रोजेक्ट में दिखाई देता है। किसी ब्रांड का प्रचार करने के बारे में वेदांग ने कहा कि वह इसे लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। उन्होंने कहा ऐसा इसलिए क्योंकि यह जरूरी है कि आप जिस ब्रांड के साथ काम करने जा रहे हैं वह प्रमाणिक होना चाहिए ताकि वह बता सके कि मैं कौन हूं। मैं प्रमाणिक जुड़ाव देखता हूं चाहे वह उनका संदेश हो या उनका मूल्य हो। जोया अख्तर की आर्चीज में डेब्यू करने के बाद वेदांग आलिया भट्ट के साथ जिगरा में नजर आए। फिल्म से बहुत उम्मीदें की जा रही थीं, हालांकि यह फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी।

स्वीडन में पैदा हुईं, बॉलीवुड में कमाया नाम; कौन हैं एली अवराम

एक्ट्रेस एली अवराम एक बार फिर चर्चाओं में आ गई हैं। इस बार चर्चे की वजह हैं मशहूर यूट्यूबर–एक्टर आशीष चंचलानी। आशीष चंचलानी ने एली अवराम को गोद में उठाए हुए एक फोटो शेयर किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है 'फाइनली'। इसके बाद अब दोनों के एक–दूसरे को डेट करने की चर्चाएं शुरू हो गईं। एली अवराम एक मॉडल और एक्ट्रेस हैं। 29 जुलाई 1990 को स्वीडन में पैदा हुई एली ने कई भारतीय फिल्मों व रियलटी शोज में काम किया है। एली एक आर्टिस्ट फैमिली से आती हैं। उनके ग्रीक पिता एक मशहूर संगीतकार हैं और उनकी मां एक्ट्रेस रही हैं। एली को बचपन से ही इंडिया का डांस और गाने काफी पसंद आते थे। वो इंडिया से काफी प्रभावित थीं। 2013 में एली ने बॉलीवुड में 'मिकी वायरस' फिल्म से डेब्यू किया। इसमें उनके साथ मनीष पॉल प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद एली कई बॉलीवुड फिल्मों में नजर आईं। इनमें 'किस किसको प्यार करूं', 'जबरिया जोड़ी', 'मलंग', 'गुड बाय' और 'गणपत' जैसी फिल्में शामिल हैं। फिल्मों के अलावा एली कई रियलटी शोज में भी दिदखाई दी हैं। इनमें 'बिग बॉस 7', 'झलक दिखला जा 7' और 'द ग्रेट इंडियन लॉफ्टर चैलेंज' शामिल हैं। एली ने ओटीटी पर भी काम किया है। वो ' 'टाइपराइटर' और 'इनसाइड एज 2' जैसी वेब सीरीज में नजर आई हैं। एली अवराम सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 8.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।